R.N.I. NO. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :12 | अंक : 187 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार, 13 जून 2024 | मूल्य: 1.50 रुपये

NEET के 1563 कैंडिडेट्स की 23 जून को दोबारा परीक्षा

इन्हें ग्रेस मार्क्स मिले थे; SC ने कहा- 30 जून से पहले नया रिजल्ट जारी हो

NEET एग्जाम में गड़बड़ियों को लेकर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। केंद्र की ओर से प्रस्ताव रखा गया कि ग्रेस मार्क्स पाने वाले 1563 कैंडिडेट के स्कोरकार्ड निरस्त होंगे। इसके बाद बिना ग्रेस मार्क्स के स्कोर कार्ड जारी किए जाएंगे।

23 जून को होगी परीक्षा, 30 जून से पहले रिजल्ट

इन कैंडिडेट्स के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा कराई जाएगी। 30 जून से पहले रिजल्ट जारी किया जाएगा। ताकि जुलाई में शुरू होने वाली काउंसलिंग प्रभावित न हो और सभी बच्चों की काउंसलिंग पहले से तय तारीख 6 जुलाई से एकसाथ हो सके।

दोबारा परीक्षा देना जरूरी नहीं होगा

जो कैंडिडेट परीक्षा नहीं देना चाहेगा, उसका रिजल्ट ग्रेस मार्क्स बगैर पुराने स्कोरकार्ड के आधार पर ही माना जाएगा। केंद्र के इस प्रस्ताव को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

एग्जाम में गड़बड़ी की शिकायत पर कई राज्यों के हाईकोर्ट में भी याचिकाएं दायर की गई हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद अब हाईकोर्ट में इन्हीं शिकायतों पर सुनवाई नहीं होगी।

सुप्रीम कोर्ट में रिजल्ट को चुनौती देने वाली 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को NEET UG 2024 रिजल्ट को चुनौती देने वाली 3 याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इनमें 3 मांग की गई थीं...

परीक्षा में गड़बड़ी के आरोपों की जांच SIT-एक्सपर्ट कमेटी करे।
मौजूदा रिजल्ट के बेस पर हो रही काउंसलिंग को रोका जाए।
NEET परीक्षा रद्द की जाए और एग्जाम दोबारा कराया जाए।

शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा- पेपर लीक के कोई सबूत नहीं

केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि इसका कोई सबूत नहीं है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'NTA पर भ्रष्टाचार के आरोप निराधार हैं। यह एक बहुत ही विश्वसनीय संस्था है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई कर रहा है और हम उसके निर्णय का पालन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि किसी भी छात्र को नुकसान न हो।

काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर चुका है सुप्रीम कोर्ट

इससे पहले 11 जून को सुप्रीम कोर्ट ने स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य छात्रों की याचिका पर सुनवाई की थी। इसे रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर किया गया था। कैंडिडेट्स ने बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की थी और परीक्षा रद्द कर SIT जांच की मांग की गई थी।

हालांकि, SC ने NEET काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था और NTA को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने NEET UG 2024 में पेपर लीक, ग्रेस मार्किंग सहित अन्य गड़बड़ियों पर सवाल उठाए थे।

जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस ए. अमानुल्लाह की पीठ ने कहा था कि परीक्षा की पवित्रता प्रभावित हुई है, हमें जवाब चाहिए। नोटिस में बेंच ने केंद्र और परीक्षा कराने वाली एजेंसी NTA से 4 हफ्ते में जवाब मांगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने NTA को नोटिस जारी किया

वहीं, 12 जून को दिल्ली हाईकोर्ट में NEET UG एग्जाम में ग्रेस मार्क्स देने और कथित पेपर लीक की 4 नई याचिकाओं पर सुनवाई हुई। जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की बेंच ने NTA को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जुलाई रखी गई है।

सांसद का दावा- 720 में से 720 अंक पाने वाले सभी 67 छात्र फरीदाबाद क्षेत्र से

मध्य प्रदेश से राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वकील विवेक तन्खा ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 720 में से 720 अंक पाने वाले सभी 67 छात्र फरीदाबाद क्षेत्र से हैं। इस परीक्षा की पारदर्शिता पर कई सार्वजनिक मंचों पर सवाल उठ रहे हैं। NTA इस मामले में पूरी तरह बेनकाब हो गया है। इसने 24 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा दिया।

20 हजार स्टूडेंट्स ने की है शिकायत

देशभर में NEET UG 2024 को लेकर अलग-अलग राज्यों में लगभग 20 हजार स्टूडेंट्स ने याचिकाएं दायर की थीं, जिसमें परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायत की गई हैं।

ग्रेस मार्क्स के खिलाफ दायर की गई याचिका में कहा गया कि NTA ने अब तक ये नहीं बताया कि उन्होंने स्टूडेंट्स को ग्रेस मार्क्स देने के लिए क्या तरीका अपनाया। वहीं, एग्जाम के पहले NTA की तरफ से जारी इन्फॉर्मेशन बुलेटिन में भी ग्रेस मार्क्स देने के प्रावधान का जिक्र नहीं था। ऐसे में कुछ कैंडिडेट्स को ग्रेस मार्क्स देना सही नहीं है।

NEET-UG में ग्रेस अंक विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है।

इस याचिका में रिजल्ट वापस लेने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग की गई है। इसमें कहा गया है कि रिजल्ट में ग्रेस मार्क्स देना NTA का मनमाना फैसला है। स्टूडेंट्स को 718 या 719 मार्क्स देने का कोई मैथमेटिकल आधार नहीं है।

भीषण गर्मी के पूर्वानुमार को लेकर योगी सरकार ने दिए निर्देश

जनहानि व पशुहानि न हो इसके लिए समुचित प्रबंध करें, अस्पतालों में कोल्ड रूम की उपलब्धता रखें

रॉयल पत्रिका

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यूपी के मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में निर्देश दिए कि भीषण गर्मी को रोकने के लिए सभी प्रबंध करें। पानी की किल्लत नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखें।

यूपी में अगले चार दिनों तक भीषण गर्मी और लू का पूर्वानुमान है। इसे देखते हुए योगी सरकार ने सर्तकता और सजगता बरतने का आदेश दिया है। सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा दिए गए निर्देशों पर मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा है कि जनहानि व पशुहानि न हो इसके लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। सभी अस्पताल चौकस रहें। सभी अस्पतालों में ओआरएस, दवाई व कोल्ड रूम की उपलब्धता रहे। मुख्य सचिव ने मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में यह निर्देश दिए।

मिश्र ने कहा कि भीषण गर्मी और लू के दौरान जनहानि व पशुहानि न हो इसके लिए समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं। शहर के साथ-साथ से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की पर्याप्त उपलब्धता रहे। कहीं भी पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्य सचिव ने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थानों व सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की जाए। जहां आवश्यक हो टैंकर के माध्यम से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करा

खास बातें

- सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था करें
- फायर सेफ्टी ऑडिट करवाएं
- गर्मी के साथ ही बाढ़ प्रबंधन पर भी काम करें

अग्नि सुरक्षा के लिए समुचित प्रबंध करें

मुख्य सचिव ने कहा कि सभी अस्पताल चौकस रहें। सभी अस्पतालों में ओआरएस, दवाई व कोल्ड रूम की उपलब्धता रहे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान अग्नि सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। सभी सार्वजनिक स्थलों अस्पताल, होटल आदि में अग्नि सुरक्षा के लिए समुचित प्रबंध हो। सभी शासकीय मेडिकल कॉलेज व अस्पतालों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराकर अवशेष कार्यों को पूरा करा लिया जाए।

तटबंधों का निरीक्षण करवाएं

उन्होंने कहा कि गर्मी के उपरांत बारिश का मौसम शुरू हो जायेगा। गत वर्षों में हुई क्षति का आंकलन करते हुये बाढ़ के लिए बेहतर कार्ययोजना बनायी जाए, जिससे बाढ़ का प्रकोप न्यूनतम रहे। सभी तटबंधों का निरीक्षण करा लिया जाए, जहां मरम्मत की आवश्यकता हो, करा दी जाए। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम से पूर्व नाला व नालियों की सफाई सुनिश्चित करा ली जाए और नालियों से निकलने वाले कचरे को वहां से हटवा दिया जाए।

राजस्व के लंबित मामलों का निस्तारण करें

राजस्व विभाग के समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि 3 से 5 वर्ष के लंबित मामलों को तत्परता से निस्तारित कराया जाए। राजस्व वादों के निस्तारण में रुचि न लेने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त एक्शन लिया जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव कृषि देवेश चतुर्वेदी, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव राजस्व पी. गुरुप्रसाद, आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद मनीषा त्रिघाटिया सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विमान के लापता होने की खबर सामने आई थी

मलावी में भीषण विमान हादसा, उप राष्ट्रपति चिलिमा समेत 9 लोगों की मौत

रॉयल पत्रिका

मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और नौ अन्य लोगों की एक विमान हादसे में मौत हो गई है। मलावी के राष्ट्रपति ने यह जानकारी दी। बता दें कि उपराष्ट्रपति सौलोस क्लॉस चिलिमा और नौ अन्य लोगों को ले जा रहे विमान के लापता होने की खबर सामने आई थी।

बताया गया था कि विमान अचानक रडार से गायब हो गया था। इसके बाद विमानन अधिकारियों ने विमान से संपर्क बनाने की कईं कोशिशें कीं लेकिन, इसका पता लगाने में वे विफल रहे। अब यह खबर सामने आई है कि इस भीषण हादसे में उप राष्ट्रपति समेत 9 अन्य लोगों की मौत हो गई।

अचानक रडार से गायब हो गया था विमान

मलावी के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया कि उप राष्ट्रपति चिलिमा रक्षा बल के विमान में सवार थे। यह विमान स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजकर 17 मिनट पर राजधानी लिलोंग्वे से रवाना हुआ था। इसके बाद विमान अचानक रडार से गायब हो गया था। इसके बाद राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने सुरक्षा बलों से विमान पता लगाने के लिए तत्काल खोज और बचाव अभियान शुरू करने का आदेश दिया था। बताया गया है कि मलावी के राष्ट्रपति चकवेरा बहामास की यात्रा करने वाले थे। लेकिन, विमान लापता होने की सूचना मिलने के बाद उन्होंने अपना दौरा रद्द कर दिया। खोजी अभियान चलाने के बाद पता चला कि विमान भीषण दुर्घटना का शिकार हुआ है। इस हादसे में उप राष्ट्रपति चिलिमा समेत विमान में सवार अन्य 9 लोगों की भी मौत हो गई। कुछ दिन पहले ही ईरान के दिवंगत राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी का भी विमान लापता हो गया था। बाद में खबर सामने आई थी कि उनका विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

पीएम मोदी को कतर के अमीर ने किया फोन, दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार शपथ ग्रहण करने के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी को विदेशों से शुभकामनाएं मिलने का सिलसिला भी नहीं थमा है। बता दें कि कतर के अमीर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी से फोन पर बातचीत की और फिर पीएम बनने पर शुभकामनाएं दी। मंगलवार को पीएम नरेंद्र मोदी ने कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के आपसी सहयोग, प्रतिबद्धता को दोहराते हुए बहुआयामी संबंधों को मजबूत बनाने के लिए चर्चा की।

वर्ष में दो बार प्रवेश की प्रक्रिया को लागू करने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं डीयू और जामिया

रॉयल पत्रिका

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू)और राष्ट्रीय राजधानी के अन्य शैक्षणिक संस्थान वर्ष में दो बार प्रवेश प्रणाली को लागू करने के तौर-तरीकों पर विचार कर रहे हैं, जिससे छात्र साल में दो बार दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में हालांकि एक महीने से भी कम समय में शुरू हो रहा है इसलिए अभी इस योजना पर पूरी तरह सहमति नहीं बन पाई है।

कुलपति योगेश सिंह ने बताया कि इन बाधाओं को देखते हुए डीयू ने अगले शैक्षणिक सत्र से चुनिंदा पाठ्यक्रमों के लिए प्रायोगिक

परियोजना के साथ वर्ष में दो बार प्रवेश प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। सिंह ने कहा कि छात्रों के हित में यूजीसी द्वारा यह एक अच्छी पहल है। हालांकि, इसे पूरी तरह से लागू करने में कुछ समय लगेगा क्योंकि छात्रों की बढ़ती संख्या के लिए जगह बनाने के लिए अतिरिक्त बुनियादी ढांचे की आवश्यकता होगी। उन्होने कहा कि हमारे शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए प्रवेश पहले ही शुरू हो चुके हैं, इसलिए हम इसे इस वर्ष से लागू नहीं कर पाएंगे। हम इसे शुरुआत में कुछ पाठ्यक्रमों के लिए प्रायोगिक परियोजना के रूप में अपनाएंगे और बाद में अन्य कार्यक्रमों के लिए निर्णय लेंगे। स्थायी कुलपति के अभाव में काम कर रहे जामिया मिलिया इस्लामिया ने कहा कि वह इस प्रणाली को लागू करने के लिए वैधानिक निकायों से मंजूरी की प्रतीक्षा करेगा।

कार्यवाहक कुलपति मोहम्मद शकील ने कहा कि यदि आवश्यक मंजूरी मिल जाती है तो विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए यह विकल्प अपना सकता है। उन्होंने कहा कि यह मामला आगामी कार्यकारी परिषद की बैठक में रखा जाएगा तथा परिषद के सम्मानित सदस्यों से निर्देश प्राप्त किए जाएंगे कि वर्ष में दो बार प्रवेश के संबंध में यूजीसी द्वारा की गई घोषणा पर किस प्रकार आगे बढ़ा जाए। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में वर्ष में दो बार प्रवेश प्रणाली के कार्यान्वयन पर कोई स्पष्टता नहीं थी, क्योंकि अधिकारियों से संपर्क नहीं हो सका। इस बीच, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ (आईपी) विश्वविद्यालय और आंबेडकर विश्वविद्यालय जैसे राज्य विश्वविद्यालय भी नयी प्रवेश प्रणाली को अपनाने की योजना बना रहे हैं।

आईपी यूनिवर्सिटी के एमएड प्रोग्राम की ऑफलाइन काउंसलिंग अब 21 जून को

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आईपी यूनिवर्सिटी के एमएड प्रोग्राम (सीईटी कोड 120) की ऑफलाइन काउंसलिंग अब 21 जून को द्वारका कैम्पस में आयोजित की जाएगी। पहले इस प्रोग्राम की काउंसलिंग 19 जून को होनी थी। आईपी यूनिवर्सिटी प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अपरिहार्य कारणों से 19 जून को प्रस्तावित काउंसलिंग को 21 जून के लिए स्थानांतरित किया गया है।

सीटों का होगा आवंटन

काउंसलिंग के दिन ही दस्तावेज सत्यापन के उपरांत रैंक के अनुसार सीटों का आवंटन भी कर दिया जाएगा। इस प्रोग्राम की काउंसलिंग में वैसे उम्मीदवार भाग ले सकते हैं जिन्होंने यूनिवर्सिटी द्वारा इस प्रोग्राम के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण की है और काउंसलिंग के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया है। काउंसलिंग के लिए आवेदक को यूनिवर्सिटी के कुलसचिव के पक्ष में निर्गत 97,000 रुपए का एक बैंक ड्राफ्ट, सीईटी एडमिट कार्ड, रैंक कार्ड और चार पासपोर्ट आकर के फोटो लाना आवश्यक है। यह प्रोग्राम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन में उपलब्ध हैं जिसमें 50 सीटें उपलब्ध हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

नई सरकार और नया कार्यभार, विकास पर रहे फोकस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से बंधे हैं। ऐसे में मौजूदा जनादेश की सबसे उपयुक्त व्याख्या यही हो सकती है कि कथित तौर पर बांटने वाले राजनीतिक मुद्दों से दूरी बनाए रखते हुए सरकार विकास के अजेंडे पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। NDA सरकार के मुखिया के तौर पर रविवार को नरेंद्र मोदी ने तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। इसके साथ ही वह पंडित जवाहरलाल नेहरू के बाद लगातार तीसरा कार्यकाल हासिल करने वाले पहले प्रधानमंत्री बन गए। उनके इस तीसरे कार्यकाल पर देश-दुनिया की नजरें टिकी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि मोदी सरकार 3.0 का अजेंडा पिछली सरकारों से किन रूपों में और कितना अलग होगा।

निर्भरता से उपजी मजबूरी

सवाल के पीछे सबसे बड़ी वजह यही है कि इस बार सरकार सहयोगी दलों के समर्थन पर निर्भर है। ऐसे में जिस तरह की स्वतंत्रता के साथ प्रधानमंत्री अपने और अपनी पार्टी के अजेंडे को लागू करते रहे हैं, वैसी आजादी शायद इस बार न मिले। वन नेशन, वन इलेक्शन और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दों पर इस राजनीतिक मजबूरी की विशेष छाप देखने को मिल सकती है।

विकास की रफ्तार

जहां तक रोजाना के कामकाज और आर्थिक विकास की रफ्तार की बात है तो उस मोर्चे पर नई सरकार के लिए कोई बड़ी दिक्कत नहीं होनी चाहिए। राजनीति की लंबी पारी ने पीएम मोदी को दृढ़ता के साथ ही लचीलेपन का भी पाठ पढ़ाया है। कोई कारण नहीं कि राजनीतिक विरोधियों को साथ लेने में दिखाया गया लचीलापन सहयोगियों को बनाए रखने में काम नहीं आएगा। दूसरी बात यह कि चाहे चंद्रबाबू नायडू हों या नीतीश कुमार, दोनों विकास की राजनीति का चेहरा रहे हैं।

दस साल की यात्रा

दस साल पहले के मुकाबले आज देश विकास के कहीं ज्यादा ऊंचे मुकाम पर खड़ा है। 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुके हैं। GDP के आकार के हिसाब से हमने पिछले साल ब्रिटेन को पीछे छोड़ा और 2026 तक जापान तो 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ने की उम्मीद कर रहे हैं। इन लक्ष्यों की ओर तेजी से कदम बढ़ाना नई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

दो बड़ी चुनौतियां

इस राह पर दो बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनकी अनदेखी करते हुए आगे बढ़ना मुमकिन नहीं है। ये हैं बेरोजगारी और असमानता। इंटरनैशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन (ILO) की इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट के मुताबिक देश में 80% बेरोजगार युवा हैं। जहां तक असमानता की बात है तो उसे अक्सर तेज विकास के आगे ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती, लेकिन याद रखने की बात है कि तेज विकास को अगर टिकाऊ बनाना हो तो असमानता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

विकसित देश का संकल्प

बहरहाल, खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से बंधे हैं। ऐसे में मौजूदा जनादेश की सबसे उपयुक्त व्याख्या यही हो सकती है कि कथित तौर पर बांटने वाले राजनीतिक मुद्दों से दूरी बनाए रखते हुए सरकार विकास के अजेंडे पर पूरा ध्यान केंद्रित करे।

कुवैत की आग में 42 भारतीयों की मौत

कुवैत के मंगाफ शहर की 6 मंजिला इमारत में बुधवार को आग लगने से 49 मजदूरों की मौत हो गई। 50 से ज्यादा लोग घायल हैं। भारत के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, मरने वालों में करीब 42 भारतीय हैं। ANI के मुताबिक, इनमें 12 केरल और 5 तमिलनाडु से थे। केरल के स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज कुवैत के लिए रवाना हो चुकी हैं।

अन्य मृतक पाकिस्तान, फिलिपींस, मिस्र और नेपाल के हैं। हादसे के बाद भारत के विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कुवैत पहुंच चुके हैं। उन्होंने बताया कि इमारत में आग लगने की वजह से कुछ शव इतनी बुरी तरह से जल गए हैं, कि उनकी पहचान नहीं हो पा रही है। कई शव बिल्डिंग की सीढ़ियों पर मिले। भारत का एयरफोर्स वन प्लेन शवों को वापस लाने के लिए तैयार खड़ा है।

मंत्री ने कहा, "जैसे ही शवों की पहचान हो जाती है, उनके परिजन को इसकी सूचना दी जाएगी। इसके बाद शव वापस भारत लाए जाएंगे।" कुवैत के समयानुसार यह हादसा बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे हुआ। 6 मंजिला इमारत के ग्राउंड फ्लोर के किचन में लगी आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। उस वक्त सभी कामगार सो रहे थे। आग लगने की वजह से मची भगदड़ के बीच कई लोगों ने घबराकर बिल्डिंग की खिड़कियों से छलांग लगा दी। कई लोग इमारत के अंदर ही फंसे रह गए और धुएं में दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

राहुल नेता प्रतिपक्ष बने तो क्या-क्या मिलेगा

CBI चीफ से लेकर इलेक्शन कमिश्नर तक चुनेंगे, कैबिनेट मंत्री जैसी सैलरी-भत्ते मिलेंगे

संसद की वेबसाइट पर 'लीडर ऑफ अपोजिशन' सर्च कीजिए। वहां अब भी आखिरी एंट्री सुषमा स्वराज के नाम की दर्ज है, जो 2009 से 2014 तक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष थीं। पिछले 10 साल से लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली है, क्योंकि 2014 के बाद से किसी भी विपक्षी दल के 54 सांसद नहीं जीते। मावलंकर नियम के तहत नेता प्रतिपक्ष बनने के लिए लोकसभा की कुल संख्या का 10% यानी 54 सांसद होना जरूरी है।

10 साल बाद कांग्रेस को लोकसभा में अधिकृत रूप से नेता प्रतिपक्ष का पद मिलेगा। इस बार कांग्रेस के 99 सांसद हैं, जो लोकसभा की कुल संख्या का 18% है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने इसके लिए राहुल गांधी के नाम का प्रस्ताव पारित किया है। नेता प्रतिपक्ष बनाने के लिए 10% सांसद क्यों जरूरी, कितना ताकतवर होता है लोकसभा में विपक्ष का नेता, उसकी नियुक्ति के नियम, सैलरी, भत्ते और अधिकार क्या-क्या होते हैं...

'लीडर ऑफ अपोजिशन' के लिए 10% का कोई कानून नहीं

मोदी 1.0 और मोदी 2.0 के कार्यकाल में कांग्रेस पार्टी को मावलंकर नियम के चलते नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं दिया गया था। हालांकि, लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचारी के मुताबिक 'लीडर ऑफ अपोजिशन इन पॉर्लियामेंट एक्ट 1977' में 10% का कहीं भी कोई उल्लेख नहीं है।

एक्ट में लिखा है कि संसद के किसी भी सदन में विपक्ष के नेता का अर्थ है, राज्यसभा या लोकसभा में विपक्ष के सबसे बड़े दल का वह नेता जिसे राज्यसभा का सभापति या लोकसभा का अध्यक्ष मान्यता देता है। यदि विपक्ष में दो या अधिक पार्टियों के नंबर एक जैसे हों तो सभापति या अध्यक्ष पार्टी की स्थिति के आधार पर फैसला लेते हैं।

उदाहरण के लिए जब 2015 में दिल्ली चुनाव में BJP की केवल तीन सीटें आई थीं। ये 10% नहीं है बावजूद इसके विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने भाजपा के विधायक विजेंद्र गुप्ता को नेता प्रतिपक्ष की मान्यता दी थी। विधानसभा सचिवालय ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा था कि BJP सबसे ज्यादा (3) सीट वाली पार्टी है, इसलिए उसे विपक्षी पार्टी माना जाता है।

फिर ये 10% सीट वाला नियम कहां से आया?

1952 में देश में पहला चुनाव हुआ था। कांग्रेस को 364 सीटें मिली थीं। दूसरी सबसे बड़ी पार्टी CPI(M) को 16 सीटें मिली थीं। देश के पहले लोकसभा स्पीकर जीवी मावलंकर थे। उन्होंने नियम बनाया था कि लोकसभा में विपक्ष का नेता बनने के लिए कम से कम संबंधित पार्टी की 10% सीट होनी चाहिए।

इसके पीछे उनका तर्क ये था कि कोई नियम होना चाहिए वर्ना हर पार्टी नेता प्रतिपक्ष का पद मांगने लगेगी। तब से यही नियम चला आ रहा है। मावलंकर का यह नियम किसी गजट या लिखित में नहीं जारी गया था। यह नियम लोकसभा ही नहीं राज्यसभा, विधानसभा और अन्य निकायों में भी लागू किया जाता है।

पहली, दूसरी और तीसरी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं था। चौथी लोकसभा में पहली बार नेता प्रतिपक्ष राम सुहाग सिंह बनाए गए थे। इसका कारण था- कांग्रेस का दो हिस्सों कांग्रेस-आई और कांग्रेस-ओ में टूटना। राम सुहाग सिंह कांग्रेस-ओ के कोटे से पहले नेता प्रतिपक्ष बने थे।

तो फिर कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी कौन थे?

पहली मोदी सरकार में कांग्रेस की मांग के बावजूद स्पीकर सुमित्रा महाजन ने नेता प्रतिपक्ष का पद देने से इनकार कर दिया था। 2014 में कांग्रेस की तरफ से लीडरशिप मल्लिकार्जुन खड़गे कर रहे थे, लेकिन वे नेता प्रतिपक्ष नहीं थे। 2019 में स्पीकर ओम बिड़ला ने भी 10% का नियम ही चलाया।

सबसे बड़ी पार्टी के नेता होने के नाते दूसरे विपक्षी दलों ने भी अधीर रंजन को समर्थन दिया, लेकिन मोदी सरकार ने कभी भी अधीर रंजन को प्रोटोकाल के तहत नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं दिया। लोकसभा टीवी के प्रसारण में भी सुषमा स्वराज के नाम के आगे लीडर ऑफ अपोजिशन लिखा दिखता था, लेकिन अधीर रंजन के आगे सिर्फ उनकी सीट का नाम लिखा था।

अब सवाल ये उठता है कि फिर ED, CVC, लोकलेखा समिति में अधीर रंजन चौधरी को क्यों शामिल किया गया। चूंकि परंपरा के अनुसार नेता प्रतिपक्ष को शामिल किया जाता है और वो उपलब्ध नहीं था, ऐसे में मोदी सरकार ने सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता होने के नाते उस कमेटी में अधीर रंजन को शामिल किया था।

ताकत: बिना नेता प्रतिपक्ष ED, CBI प्रमुख की नियुक्ति नहीं हो सकती

नेता प्रतिपक्ष सरकार की निगरानी करता है। वह सरकार को आईना दिखाने का काम करता है। वह सरकार के कामों को रिव्यू करता है। नेता प्रतिपक्ष का काम सरकार के लिए ऑप्शन देना है।

'लीडर ऑफ अपोजिशन इन पॉर्लियामेंट एक्ट 1977' के अनुसार नेता प्रतिपक्ष के अधिकार और सुविधाएं ठीक वैसे ही होते हैं, जो एक कैबिनेट मंत्री के होते हैं। नेता प्रतिपक्ष लोक लेखा समिति का चेयरमैन भी होता है। ये कमेटी सरकार के फाइनेंशियल अकाउंट्स की जांच करती है। यह उन रुपयों के हिसाब की जांच करती है जो संसद के माध्यम से सरकार को खर्च करने के लिए दिया जाता है।

नेता प्रतिपक्ष विभिन्न महत्वपूर्ण कमेटियों और सिलेक्शन कमीशन के सदस्य होते हैं। इसमें केंद्रीय सतर्कता आयुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग आदि शामिल हैं। अगर सरकार सिलेक्शन कमीशन में नेता प्रतिपक्ष को शामिल न करे तो देश में ईडी, सीबीआई चीफ की नियुक्ति नहीं हो सकती। इसके अलावा इलेक्शन कमिश्नर की नियुक्ति वाली कमेटी में भी नेता प्रतिपक्ष शामिल होता है।

क्या कभी ऐसा हुआ है कि नेता प्रतिपक्ष का पद न हो

हां, ऐसा कई बार हुआ है। पहली, दूसरी, तीसरी, छठी, सातवीं, आठवीं लोकसभा में यह पद खाली था। 1984 में इंदिरा गांधी की मौत के बाद कांग्रेस को 415 सीटों पर विजय मिली थी।

तब के लोकसभा के महासचिव सुभाष कश्यप बताते हैं कि उस समय भाजपा नई पार्टी थी और उसके केवल दो नेता थे। उस समय एक और नई पार्टी थी तेलुगु देशम पार्टी (TDP)। वही TDP जिसके साथ मिलकर BJP अभी सरकार बना रही है। उस समय TDP ने पहला चुनाव लड़ा था और 30 सीटें जीतकर वह दूसरे स्थान पर रही थी।

तब भी 'लीडर ऑफ अपोजिशन इन पॉर्लियामेंट एक्ट 1977' था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने TDP नेता पी उपेंद्र को विपक्ष के नेता का पद देने से इनकार कर दिया था। उस समय लोकसभा स्पीकर दिग्गज कांग्रेस नेता बलराम जाखड़ थे।

कश्यप बताते हैं कि तब जाखड़ के कमरे में TDP के तीन सांसद गए थे और उन्होंने नेता प्रतिपक्ष को लेकर बात की थी। उन्हें ये बताया गया कि ये संभव नहीं होगा, क्योंकि हम हाउस ऑफ ऑफ कॉमन्स के उदाहरणों पर काम करते हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स ब्रिटेन के निचले सदन को कहा जाता है।

TDP नेताओं को बताया गया था कि देश के पहले स्पीकर जीवी मावलंकर ने भी 1969 में बहुत छोटे विपक्ष के आधार पर बिना विपक्ष के पद के सदन चलाया था। उसी 10% के नियम के आधार पर आपको यह पद नहीं मिल सकता है।

पी उपेंद्र को संसदीय समूह और संसदीय दल का नेता माना गया, लेकिन उन्हें कभी विशेषाधिकार और प्रोटोकाल नहीं दिए गए। उन्हें कभी नेता प्रतिपक्ष के रूप में नॉमिनेट नहीं किया गया। इसके बाद 1989 में राजीव गांधी PM पद से इस्तीफा देकर विपक्ष में बैठे थे और वे नेता प्रतिपक्ष बने थे।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल भारद्वाज कहते हैं कि कानून को न मानते हुए स्पीकर के नियम को बनाने के पीछे सत्ता की मनमानी ही कारण है। जब कांग्रेस ने 1984 में 415 सीटें जीती थीं तो उसने 1977 के कानून को न मानते हुए पूर्व स्पीकर का नियम चलाया।

TDP तब बड़ी पार्टी थी, लेकिन उसे विपक्षी पार्टी का दर्जा नहीं दिया गया। जब 2014 में कांग्रेस की 44 सीटें आईं तब कांग्रेस ने बड़ी पार्टी होने के नाते नेता प्रतिपक्ष मांगा, लेकिन BJP ने उसे 1984 का उदाहरण देकर चुप करा दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने भी 10% के नियम को हटाने से मना किया

8 अगस्त 2014 को सुप्रीम कोर्ट ने "मावलंकर के 10 प्रतिशत नियम" को रद्द करने से इनकार कर दिया था। इसी आधार पर पहली मोदी सरकार ने कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट गई थी।

तत्कालीन चीफ जस्टिस आर.एम. लोढ़ा की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि मावलंकर का नियम एक वैधानिक प्रावधान नहीं था, बल्कि सदन चलाने के लिए सदन के अध्यक्ष द्वारा विकसित की गई प्रक्रिया थी। कोर्ट ने कहा कि सदन में अध्यक्ष का फैसला न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आता। अनुच्छेद 32 के तहत हम यहां राजनीतिक मुद्दों पर फैसला करने के लिए नहीं बैठे हैं।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा था कि आप खुद कह रहे है कि ये नोटिफाइड नहीं है। इसका मतलब है कि यह कहीं भी नहीं है। क्या स्पीकर के किसी ऐसे आदेश की सत्यता की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है? हम इस पर कोई ऑर्डर नहीं दे सकते।

कांग्रेस सांसद चाहते हैं राहुल गांधी बनें नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस के कई नेता चाहते हैं कि राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता बनें। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में भी उन्हें ही नेता प्रतिपक्ष चुना गया है, लेकिन फैसला राहुल को करना है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर से कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने सबसे पहले ट्वीट करके कहा था कि मैंने अपने नेता राहुल गांधी के नाम पर वोट मांगे। मुझे लगता है कि उन्हें लोकसभा में कांग्रेस का नेता होना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि जीते हुए कांग्रेस सांसद भी यही सोचते होंगे। देखते हैं कि कांग्रेस संसदीय दल क्या फैसला करता है। हम एक लोकतांत्रिक पार्टी हैं।

उनकी मांग को समर्थन देते हुए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने भी इस पर सहमति जताते हुए कहा है कि राहुल जी ने लीडरशिप की है। वे ही हमारे अभियान का चेहरा थे।

न केवल कांग्रेस के भीतर से ये आवाजें आ रही हैं, बल्कि गठबंधन के साथी शिवसेना के संजय राउत और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के थोल थिरुमावलवन जैसे विपक्षी नेता भी राहुल को नेता प्रतिपक्ष बनता हुआ देखना चाहते हैं। इनका कहना है कि लोकसभा में राहुल को ही संसदीय दल की लीडरशिप की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। ऐसा नहीं है कि कभी गांधी परिवार से कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं रहा है। राहुल के पिता राजीव गांधी 1989 में नेता प्रतिपक्ष रहे हैं। इसके बाद उनकी मां सोनिया गांधी भी 1999 में पूरे पांच साल विपक्ष की नेता रही हैं।

अगर राहुल नहीं बने तो कौन हो सकता है नेता प्रतिपक्ष

यदि राहुल नेता प्रतिपक्ष नहीं स्वीकार करते हैं तो दूसरे नामों पर चर्चा हो सकती है। इसमें शशि थरूर, मनीष तिवारी, केसी वेणुगोपाल और लोकसभा में कांग्रेस के निवर्तमान उपनेता गौरव गोगोई जैसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता हैं। इसमें एक पेंच ये है कि राज्यसभा में पहले से ही मल्लिकार्जुन खड़गे विपक्ष के नेता हैं। वो दक्षिण से आते हैं। ऐसे में लोकसभा का नेता भी दक्षिण से ही चुना जाए, यह मुश्किल है।

वरिष्ठ पत्रकार विजय पाठक कहते हैं कि इस लोकसभा में बोलने वाला नेता प्रतिपक्ष चाहिए। खास तौर वह नेता जिसकी हिंदी पर खासी कमांड हो। BJP गठबंधन से सरकार बना रही है। इस कारण इस बार का विपक्ष ज्यादा एग्रेसिव होगा। ऐसे में हिंदी बोलने वाला नेता होना चाहिए। पिछली बार अधीर रंजन चौधरी ने प्रयास खूब किया, लेकिन हिंदी में हाथ तंग होने के कारण उनकी बात आसानी से नहीं पहुंच पाती थी।

रॉयल पत्रिका

जयपुर से प्रकाशित होने वाले "रॉयल पत्रिका" को अपने दैनिक समाचार पत्र व "रॉयल पत्रिका" डिजिटल के लिए रिपोर्टर, स्क्रिप्ट राईटर, डी टी पी ऑपरेटर और हॉकर्स (अखबार बांटने वाले) की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार।

इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें -
संपादक, रॉयल पत्रिका,
मस्जिद शेखान के सामने, घोड़ा निकास रोड,
रामगंज बाज़ार, जयपुर 302002
मोबाइल: 8058969180/9799559096

मौसम विभाग की चेतावनी, गरज-चमक के साथ गिर सकती है बिजली

दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना, कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ होगी बारिश और गिरेंगे ओले

रॉयल पत्रिका

छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना है। प्रदेश के सुकमा जिले में बीते दिनों मानसून का आगमन हो चुका है, जो कि 48 घंटों में अब प्रदेश के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ेगा। साथ ही प्रदेश में पांच दिनों तक गरज चमक के साथ बारिश के आसार हैं। इसके अलावा कई इलाकों में ओले गिरने और तेज हवाएं भी चलेगी।

इस दौरान तापमान में हल्की गिरावट हो सकती है। हालांकि मध्य और उत्तर के जिलों में पारा बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटे के दौरान छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण पश्चिम मानसून के आगे बढ़ाने की परिस्थितियों अनुकूल हैं। इस बीच आने वाले पांच दिनों में एक दो जगह पर प्रदेश के दक्षिण और मध्य भागों में गरज चमक के साथ वज्रपात और अंधड़ चलने की संभावना है।

तीन संभागों में 5 दिन बरसेंगे बादल

राजधानी रायपुर समेत प्रदेश की कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। कई जगहों पर ओले गिरने के साथ तेज हवाएं चलने की भी संभावना बताई जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, बस्तर, रायपुर और दुर्ग संभाग में बारिश के आसार हैं। यह मौसम अगले 5 दिनों तक जारी रहेगा। बीते दिनों मंगलवार को प्रदेश के एक दो जगह पर हल्की मध्यम बारिश दर्ज की गई है। साथी कोरबा को शामिल 12 जिलों में बारिश के मुख्य आंकड़े भी दर्ज किया गया है। वहीं प्रशासन ने भी लोगों को सतर्क कर अपनी तैयारी कर ली है।

प्रदेश में डोंगरगढ़ रहा सबसे गर्म

प्रदेश में सबसे गर्म डोंगरगढ़ जिला रहा है। यहां सर्वाधिक अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस रहा है। उत्तम तापमान नारायणपुर में 22.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी रायपुर में 42.6 माना एयरपोर्ट, बिलासपुर में 41.8, अंबिकापुर में 41.7 राजनांदगांव में 41.5 और जगदलपुर में 47.6 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया है।

रियासी आतंकी हमले के खिलाफ जयपुर में मृतकों के परिजनों का धरना-प्रदर्शन

हमले के दो दिन बाद भी आतंकियों का कोई सुराग नहीं, तलाश जारी

राजस्थान सरकार आश्रितों को 50 लाख रुपए और संविदा पर नौकरी देगी

बड़ी संख्या में लोग शहर के मुरलीपुरा और चौमू पुलिस थाने के बाहर जुटे। प्रदर्शन करने वालों ने राजस्थान सरकार से मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की।

रॉयल पत्रिका

रियासी में दो दिन पहले हुए हमले में अभी तक आतंकवादियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इससे जनता में रोष व्याप्त है। बता दें कि आतंकी हमले में मारे गए जयपुर के चार लोगों के शव मंगलवार को ट्रेन से पहुंचाए गए। चारों के शव पहुंचते ही लोगों ने प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में लोग शहर के मुरलीपुरा और चौमू पुलिस थाने के बाहर जुटे। नौ जून की शाम जम्मू और कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने श्रद्धालुओं से भरी एक बस को निशाना बनाया। आतंकियों की ताबड़तोड़ गोलियों का शिकार बस चालक बना। इसके बाद अनियंत्रित होकर बस गहरी खाई में जा गिरी थी। इस घटना में 10 लोगों की जान गई है। इनमें से चार लोग जयपुर के रहने वाले थे। प्रदर्शन करने वालों ने राजस्थान सरकार से मृतकों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की। हालांकि राजस्थान सरकार ने 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने का ऐलान किया है।

चार शव पहुंचते ही जयपुर में फूटा आक्रोश

रविवार शाम को जम्मू कश्मीर के कटरा और शिव खोड़ी के बीच हुए आतंकी हमले में जयपुर के चार लोगों की मौत हो गई थी। मृतकों में 2 महिलाएं और 1 दो साल का मासूम बच्चा भी शामिल है। चारों मृतकों के शव मंगलवार सुबह ट्रेन के जरिए जयपुर लाए गए। जैसे ही मृतकों के शव जयपुर आए तो सैकड़ों की संख्या में लोग रेलवे स्टेशन पहुंच गए। मृतक राजेंद्र सैनी और उनकी पत्नी मुरलीपुरा क्षेत्र के रहने वाले हैं जबकि राजेंद्र की भतीजी पूजा सैनी और पूजा को दो वर्षीय लिवांश चौमू क्षेत्र में रहते थे। भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चारों के शव परिजनों तक पहुंचाए गए।

पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग

उग्र लोगों को खदेड़ने के लिए पुलिस ने हल्का बल का प्रयोग किया। वहीं चौमू बाईपास पर जाम को हटवाया। चौमू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने कहा कि कुछ लोग माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे थे। पीड़ित पक्ष के लोगों ने धरना दिया। उल्लेखनीय है कि नौ जून को जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 10 लोगों की मौत हुई थी। इनमें से चार लोग जयपुर के रहने वाले थे।

सरकार की घोषणा के बाद लोग शवों का अंतिम संस्कार करने को राजी हुए

कई दौर की वार्ता के बाद अब सहमति बन गई है। राजस्थान सरकार मृतकों के आश्रितों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और दो आश्रितों को संविदा पर नौकरी व परिवार के एक सदस्य को डेयरी बूथ आवंटित करेगी। सरकार की घोषणा के बाद लोग शवों का अंतिम संस्कार करने को राजी हुए।

राज्यसभा सांसद, विधायक भी पहुंचे धरना स्थल पर

भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत भी दोपहर 12 बजे मुरलीपुरा थाना पहुंचे जहां सैंकड़ों की संख्या में लोग धरना दे रहे थे। हवामहल विधायक बाल मुकुंद आचार्य भी मुरलीपुरा थाना पहुंचे। इन जनप्रतिनिधियों ने परिजनों की ओर से की जा रही मांगों को जायज बताया और सरकार से जल्द मुआवजा दिलाने की बात कही। पुलिस का भारी अमला मौके पर तैनात रहा। परिजनों को धरना खत्म करने और रास्ता जाम नहीं करने के लिए समझाते रहे।

आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाली

एक यात्री बस में की तोड़फोड़

राज्य सरकार ने जब दोपहर तक आर्थिक सहायता और नौकरी देने की घोषणा नहीं की तो लोग उग्र हो गए। लोगों ने चौमू के बाजार को बंद करवा दिया। एक यात्री बस और अन्य वाहनों में तोड़फोड़ की। दोनों पुलिस थानों के बाहर धरने पर बैठे लोगों ने आतंकवाद और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। लोगों का गुस्सा बढ़ता देख आसपास के छह थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। मगर लोगों का गुस्सा शांत नहीं हुआ।

आतंकी हमले के प्रति लोगों का भारी गुस्सा देखने को मिला। जयपुर के मुरलीपुरा, हरमाड़ा और चौमू क्षेत्र में लोगों ने जगह जगह धरना प्रदर्शन करते हुए सड़क जाम किया। मुरलीपुरा थाने के सामने करीब चार पांच घंटों तक धरना चला। इसी तरह चौमू में भी हजारों लोगों ने चिलचिलाती धूप में आतंकवाद के खिलाफ रैली निकाली। इसके बाद लोग थाना मोड़ के पास जाम लगाकर धरने पर बैठ गए। लोगों ने आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने की मांग की।

आतंकियों की तलाश दूसरे दिन भी जारी, चप्पा-चप्पा खंगाला जा रहा

रियासी में आतंकी हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों की तलाश मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है। पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना की टीमें तलाशी अभियान में जुटी हुई हैं। सुरक्षा कर्मियों की 11 टीमें बनाई गई हैं। खोजी कुत्तों के साथ ही ड्रोन की मदद से पहाड़ और जंगल का चप्पा-चप्पा खंगाला जा रहा है। रियासी के पोनी-त्रेयाथ बेल्ट के चारों ओर बहु-दिशात्मक घेराबंदी की गई है। जिले के साथ ही आसपास के जिलों में भी सर्च ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच सूचना मिली है कि पुलिस ने पूछताछ के लिए 20 से अधिक लोगों को उठाया। उनसे पड़ताल की जा रही है।

जयपुर पुलिस द्वारा नज़र सिटीजन मोबाईल ऐप लॉन्च

जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने किया ऐप लॉन्च

राजधानी में बढ़ते अपराध किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा अपराध कर फरार हो जाना।अब पुलिस द्वारा नजर ऐप के माध्यम से मिल जायेगी जानकारी, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया जयपुर में निवास आमजन एवं उनकी सम्पत्ति को और अधिक सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से नज़र सिटीजन एप्लीकेशन तथा सुझाओं को ध्यान में रखते हुए और आमजन को और अधिक सुविधा मुहैया करवाए जाने के उद्देश्य से नजर सिटीजन एप्लीकेशन को विकसित किया गया।

नजर सिटीजन एप्लीकेशन का उद्देश्य मकान संपत्ति मालिक के पास भी उनके यहां पूर्व में रहे और वर्तमान आमजन व्यापारियों एवं व्यवसायियो द्वारा अपनी संपत्ति मकान से बाहर जाने तथा घर व्यावसायिक संपत्ति में कोई नहीं रहने की स्थिति की सूचना पुलिस तक इस एप्लीकेशन के माध्यम से दी जा सकेगी जिससे पुलिस गश्ती दल द्वारा उसे क्षेत्र में और अधिक प्रभावी मॉनिटरिंग की जा सकेगी।

अधतन नजर पुलिस ऑफिसर्स एप्लीकेशन विकसित किए है।

जयपुर पुलिस द्वारा पूर्व में संचालित नजर एप्लीकेशन जो बीट अधिकारी द्वारा डोर टू डोर पहुंचकर नौकर में किरायेदारों की डिटेल्स डिजिटल ली जा रही थी जिसमें बीट स्तर से प्राप्त में रहे किराएदार नौकरों का डिजिटली डेटा संग्रहित रह पाएगा। वही जयपुर में आए प्रवासियों के रिकॉर्ड का संग्रहण किया जा सकेगा। साथ ही छिपकर रहने वाले बाहरी उपद्रवियों की पहचान करना आसान होगा।

जयपुर आयुक्तालय में निवास कानि राकेश झाझड़ियाँ द्वारा अद्यतन नज़र पुलिस ऑफिसर एप्लीकेशन को विकसित (Devel-op) करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। इस एप्लीकेशन को बैंगलोर के कृष्णा एवं स्वास्तिका के द्वारा विकसित किया गया है।

अन्तर्राज्यीय गिरोह के महिला सहित चार आरोपी गिरफ्तार

आरोपी दोस्ती के चंगुल में फंसा कर वसुली करके हत्या की वारदात को दिया अंजाम

जयपुर के गलता गेट थाना इलाके में दोस्ती के चंगुल में फंसा कर वसुली करके हत्या करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह के महिला सहित चार आरोपीयों को गलता गेट थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार,

गलता गेट निवासी दिलीप सांवरिया से महिला ने प्यार में फंसाकर दिल्ली मिलने बुलाया। यहां अपने पति और साथियों के साथ मिलकर बंधक बना लिया। हाथ-पैर बंधे दिलीप की फोटो भेजकर परिजनों से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी। परिजनों ने फिरौती नहीं दी तो हत्या कर दी और लाश को गड्ढे में बांधकर नाले में फेंक दिया।

मर्डर के बाद हत्यारे फरारी काटने के लिए चार धाम के लिए निकल गए। पुलिस ने 300 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर लाश बरामद की और चार राज्यों में दबिश देकर पति-पत्नी समेत 4 बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में फरार 2 हत्यारों की तलाश की जा रही है। मृतक दिलीप को बंधक बनाकर मांगी फिरौती डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा डूडी ने बताया- गलतागेट निवासी पीयूष सांवरिया ने 28 मई को पिता दिलीप सांवरिया की गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। शिकायत में बताया कि पिता दिलीप सांवरिया ई-रिक्शा की बैटरी का बिजनेस करते हैं। 20 मई की रात करीब 10:30 बजे फरीदाबाद जाने की कहकर निकले थे। 7 दिन बीतने के बाद भी उसने संपर्क नहीं हो रहा है। 28 मई को सुबह उनके ही मोबाइल से वॉट्सऐप पर फोटो भेजी गई। इसमें उनके मुंह पर टेप और हाथ-पैर बंधे हुए हैं। कॉल कर 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी गई है।

बिजनेसमैन के अवैध संबंध का चला पता राशि डोगरा डूडी ने बताया- गलतागेट थाना पुलिस ने बिजनेसमैन दिलीप सांवरिया की मोबाइल की लोकेशन निकलवाई। लास्ट लोकेशन कानोता इलाके में अलग-अलग जगह की आई। लापता होने के दौरान की लोकेशन दिल्ली की भी मिली। कॉल डिटेल के आधार पर पता चला कि बिजनेसमैन दिलीप सांवरिया अंजली सोनी नाम की महिला के संपर्क में था।

पुलिस को गुमराह करने के लिए मोबाइल लेकर घूमा आरोपी पुलिस को गुमराह करने के लिए विजय अपने साथ मृतक दिलीप सांवरिया का फोन लेकर जयपुर आ गया था। मृतक के मोबाइल को जयपुर में अलग-अलग जगहों पर लेकर घूमा, ताकि पुलिस को इस बात का पता नहीं चल सके कि गुमशुदा का मर्डर हो गया। आखिरी लोकेशन कानोता साइड में दिखाकर मोबाइल बंद कर दिया और वापस दिल्ली रवाना हो गया।

जयपुर सेंट्रल जेल में बंदी लेकर पहुंचा बीड़ी-जर्दा

थर्मस के अंदर छिपाए, तलाशी में गेट पर गया पकड़ा आरोपी

जयपुर सेंट्रल जेल में दंडित बंदी के बुधवार को बीड़ी-जर्दा लेकर पहुंचने का मामला सामने आया है। दंडित बंदी थर्मस के अंदर बीड़ी-जर्दा को छिपाकर लेकर आया था। तलाशी के दौरान गेट पर तैनात जेल प्रहरियों ने उसे पकड़ लिया। लालकोठी थाने में आरोपी दंडित बंदी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

SI कैलाश प्रसाद मीना ने बताया- बागरिदो का मोहल्ला सांगानेर मालपुरा निवासी शंकर लक्षकार को जेल में बीड़ी-जर्दा पकड़ा गया है। शंकर लक्षकार जयपुर सेंट्रल जेल में दंडित बंदी है। बुधवार सुबह करीब 7:15 बजे वह जयपुर सेंट्रल जेल के गेट पर चाय लेकर आया था। चाय देकर जेलर सैक्शन से थर्मस लेकर जेल के मेन गेट पर आया।

जेल के अंदर जाते समय शक होने पर ड्यूटी पर तैनात संतरी कमलेश मीणा, कॉन्स्टेबल हरमुख व मुकेश ने उसकी तलाशी ली। तलाशी में थर्मस में 5 पुड़िया जर्दा (कुबेर) और 2 बंडल बीड़ी के मिले। जेल के उच्च अधिकारियों को सूचित कर बीड़ी-जर्दा सहित थर्मस को जब्त किया गया। लालकोठी थाने में जेल प्रहरी की ओर से आरोपी दंडित बंदी शंकर लक्षकार के खिलाफ जेल में जर्दा-बीड़ी पहुंचने को लेकर मामला दर्ज करवाया गया।

राजस्थान में तीन दिन पहले आएगा मानसून

इस बार सामान्य से ज्यादा बारिश के संकेत; जानें... इस बार कहां से लेगा एंट्री

राजस्थान में प्री-मानसून की बारिश शुरू हो चुकी है। उदयपुर, डूंगरपुर और बांसवाड़ा में दो दिन पहले अच्छी बारिश भी हुई। लेकिन, प्रदेश के लोगों को इंतजार इस बात का है कि मानसून कब एंट्री लेगा ? मौसम विशेषज्ञों की मानें तो इस बार दक्षिण-पश्चिमी मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अच्छी हैं और ये महाराष्ट्र से आगे गुजरात की सीमा में प्रवेश कर चुका है।

राजस्थान की बात करें तो इस बार मानसून करीब तीन दिन पहले एंट्री करेगा। सामान्य तौर पर 25 जून तक मानसून प्रदेश में आता है।

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राजस्थान में जो मानसून आता है, वह बंगाल की खाड़ी यानी पूर्वी भारत से आने वाली हवाओं के साथ प्रवेश करता है।

पिछले 12 दिनों (31 मई से) से पूर्वोत्तर भारत में मानसून आगे नहीं बढ़ रहा है। अगले 2-3 दिन परिस्थिति मानसून के अनुकूल नहीं है। 15 जून के बाद से बंगाल की खाड़ी में एक सिस्टम बनने की संभावना है, जिससे मानसून की थमी रफ्तार को वापस गति मिल सकती है।

क्यों रुकी मानसून की गति

निदेशक ने बताया कि छत्तीसगढ़, ओडिशा के आसपास एंटी साइक्लोन बनने और वेस्टर्न विंड ज्यादा प्रभावशाली होने के कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाली हवाएं आगे नहीं बढ़ सकी। इस कारण मानसून की पूर्वी ब्रांच 31 मई से सिक्किम, असम के पास ही थमी है। 15 जून के बाद से हवा के पैटर्न में बदलाव होने की संभावना है। पश्चिमी हवाओं का प्रभाव कम होगा।

22 से 25 जून के बीच मानसून के आने की संभावना

मानसून की वर्तमान स्थिति देखें तो ये अभी गुजरात और छत्तीसगढ़ के दक्षिणी क्षेत्र में प्रवेश कर चुका है। इस एरिया में समय से 5 दिन पहले प्रवेश किया। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल के अलावा पूर्वोत्तर के सात राज्यों में मानसून दस्तक दे चुका है। संभावना है कि राजस्थान में इस बार मानसून तय समय से 2 से 3 दिन पहले आ सकता है यानी 22 से 25 जून के बीच मानसून के आने की संभावना है। 19-20 जून से पूर्वी राजस्थान में शुरू होगी बारिश

राजस्थान में मानसून के प्रवेश का सामान्य समय 25 जून निर्धारित है। ये उदयपुर, बांसवाड़ा के रास्ते आता है। साल 2023 में मानसून ने उदयपुर संभाग के साथ कोटा और भरतपुर संभाग से एक साथ एंट्री की थी।

राजस्थान में वर्तमान में अभी दक्षिणी हिस्सों में प्री-मानसून की बारिश शुरू हो गई है। 19-20 जून से पूर्वी राजस्थान यानी भरतपुर संभाग के जिलों में भी प्री-मानसून की बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

वहीं इस बार भी मानसून दक्षिण-पूर्वी हिस्से यानी उदयपुर-बांसवाड़ा के साथ भरतपुर और कोटा संभाग से राजस्थान में आएगा। 11 साल में दो बार समय से पहले एंट्री

पिछले 11 साल की रिपोर्ट देखें तो राजस्थान में 2 बार ऐसा रहा है, जब मानसून की एंट्री राज्य में समय से पहले हुई हो। साल 2013 में मानसून की एंट्री 13 जून को हुई थी, जो समय से करीब 10 से 13 दिन पहले रही।

वहीं साल 2021 में भी मानसून की एंट्री 18 जून को हुई। चार सीजन ऐसे थे, जब मानसून की एंट्री जुलाई के महीने में हुई।

ऐसे में मौसम विशेषज्ञों की ओर से ये अनुमान लगाया जा रहा है कि मानसून जल्दी एंट्री करेगा तो प्रदेश में भी सामान्य से ज्यादा बारिश हो सकती है।

साल 2021 में मानसून सामान्य से 17 फीसदी ज्यादा रहा। वहीं साल 2013 में मानसून के दौरान बारिश सामान्य से 26 फीसदी ज्यादा हुई थी। इन दोनों सालों में मानसून की समय से पहले एंट्री हुई थी।

10 साल में 2 बार सामान्य से कम बारिश

राजस्थान में पिछले 10 साल के दौरान दो बार मानसून में सामान्य से कम बारिश हुई है। साल 2014 और 2018 में मानसून कमजोर रहा। साल 2019 में मानसून पिछले10 साल में सबसे अच्छा रहा, जब बारिश सामान्य से 47 फीसदी ज्यादा बारिश हुई थी।

पढ़ें ये खबर भी...

कोटा संभाग बारिश से भीगा, गंगानगर तपा:उत्तरी राजस्थान में पारा 46 डिग्री; आज 18 जिलों में आंधी-बारिश की संभावना

राजस्थान के कोटा, उदयपुर संभाग में प्री-मानसून की बारिश का दौर जारी है। कल कोटा, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर समेत कई जगहों पर बारिश हुई। वहीं दूसरी तरफ उत्तरी राजस्थान के जिलों में तेज गर्मी रही। यहां बीकानेर संभाग के जिलों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया। मौसम केन्द्र जयपुर ने आज 18 जिलों में आंधी चलने, बादल छाने और कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

बनेड़ा के स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल की कक्षा 11 हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

बनेड़ा,(रॉयल पत्रिका)। आज दिनांक 11 जून 2024 मंगलवार से स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल विद्यालय बनेड़ा जिला-शाहपुरा में सत्र 2024- 25 में कक्षा 11 के लिए रिक्त सीटों की प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रधानाचार्य डॉ. कल्पना ने बताया कि जिला स्तर पर गठित प्रवेश समिति की ओर से प्रवेश प्रक्रिया करवाई जाएगी । इसमें रिक्त सीटों पर आवेदकों से प्रवेश के लिए 24 जून तक विद्यालय में आवेदन पत्र जमा किए जाएंगे

विज्ञान संकाय के अंतर्गत गणित और जीव विज्ञान विषय के इच्छुक विद्यार्थी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं । प्रवेश प्रभारी भरत देव धाभाई ने बताया कि राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद की ओर से जारी दिशा निर्देशों की अनुरूप मॉडल स्कूल से कक्षा 10 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए कक्षा 11 में प्रवेश हेतु प्रतिशत की बाध्यता नहीं है किंतु कक्षा 11 में प्रवेश के लिए माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान से कक्षा 10 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के सभी विषयों में न्यूनतम 66 .50 %अंक (विज्ञान व गणित में न्यूनतम 65 %अंक) एवं अन्य बोर्ड से कक्षा 10 उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों के लिए 72% तक अंकों की अनिवार्यता है । 27 जून को चयनित आवेदकों की सूची जारी की जाएगी तथा 29 जून को चयनित आवेदकों को समस्त वंछित दस्तावेज प्राप्त कर प्रवेश दिया जाएगा ।

1 जुलाई से कक्षा 11 में नियमित अध्ययन प्रारंभ हो जाएगा। समस्त विद्यार्थियों को विद्यालय से नियमानुसार पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रवेश सहप्रभारी दुर्गेश दौनेरिया ने बताया कि मॉडल विद्यालय में प्रवेश के लिए प्रवेश नीति के अनुसार सबसे पहले ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्राथमिकता से प्रवेश देने एवं ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के बाद कक्षाओं में रिक्त सीटों पर रहने पर शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। साथ ही कक्षा -6, कक्षा -7, कक्षा -8 में रिक्त सीटों पर रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है।

बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस विधायक ने धरना दिया

-सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी

बूंदी के हिंडोली से कांग्रेस विधायक अशोक चांदना ने हिंडोली थाने के बाहर क्षेत्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों के साथ धरना दिया। उन्होंने पिछले दिनों क्षेत्र में हुई वारदातों का सात दिन के भीतर खुलासा नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। जिले के हिंडोली विधानसभा से कांग्रेस विधायक व पूर्व मंत्री अशोक चांदना हिंडोली थाने के बाहर धरना लगाकर बैठ गए और जमकर पुलिस प्रशासन के विरुद्ध नारेबाजी की। चांदना का आरोप है कि जब से राजस्थान में भाजपा सरकार बनी है तब से क्षेत्र में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। उन्होंने क्षेत्र में पिछले दिनों हुई घटनाओं का पर्दाफाश करने की मांग की। चांदना ने कहा कि 7 दिनों के भीतर यदि वारदातों का खुलासा नहीं हुआ तो बूंदी एसपी ऑफिस में ग्रामीणों के साथ उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। इधर मौके पर पहुंचे हिंडोली एसडीएम, डीएसपी ने चांदना से बातचीत की और ज्ञापन लिया तब जाकर चांदना धरने से उठे और धरना समाप्त किया। डीएसपी घनश्याम मीना का कहना है कि मामले को देखते हुए टीमों का गठन किया हुआ है, जल्द आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होंगे। इस दौरान हिंडोली और नैनवा क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीण भी मौजूद रहे। प्रदर्शन कर रहे पूर्व मंत्री व विधायक अशोक चांदना ने कहा कि हिंडोली व नैनवा क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लूट की वारदातें हो रही हैं। थानों में किसी प्रकार की कोई सुनवाई नहीं हो रही है। विधायक होने नाते मेरा फर्ज बनता है कि मैं आम जनता को न्याय दिलाऊं। इसी कड़ी में सांकेतिक धरना दिया है और प्रशासन को अपना मांग पत्र सौंपा है।

एक और वारदात

सोमवार को हिंडोली थाना क्षेत्र के देव जी थाना गांव निवासी युवक हरि सिंह मीणा के साथ हुई 5 लाख की लूट के मामले में भी लोगों में गुस्सा देखा गया। डीएसपी घनश्याम मीना ने बताया कि गुढ़ा गोकुलपुरा गांव के पास अज्ञात हमलावरों द्वारा दिनदहाड़े एक युवक के साथ 5 लाख 35 हजार रुपये की लूटपाट की रिपोर्ट मिली थी। लुटेरों ने युवक की आंखों में मिर्ची फेंकी और उसके चेहरे पर पेट्रोल भी डाला। अचानक हुए घटनाक्रम के बाद युवक बेहोशी की हालत में आ गया और लुटेरे नकदी लेकर फरार हो गए। लूट की सूचना पर हमने नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लग पाया। घटना को लेकर पुलिस टीम लगी हुई है, जल्द आरोपियों को पकड़ा जाएगा।

पुलिस स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने किए तीन बड़े ऐलान

-पुलिस निधि कल्याण कोष समेत अन्य बढ़ोतरी

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर आज सुबह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तीन बड़े ऐलान किए। राजस्थान पुलिस अकादमी में सेरेमोनियल परेड की सलामी लेने के बाद पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान करने के बाद मुख्यमंत्री ने ये घोषणाएं कीं। लोकसभा चुनावों के बाद अब मुख्यमंत्री भजनलाल एक के बाद एक नई घोषणाएं करते जा रहे हैं। बुधवार को राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री सुबह 7:30 बजे राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पहले उन्होंने सेरेमोनियल परेड की सलामी ली और फिर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक प्रदान किए। मुख्यमंत्री शर्मा ने पुलिस महकमे के लिए तीन बड़ी घोषणाएं भी कीं। इसमें पहली घोषणा में पुलिस निधि कल्याण कोष सहित अन्य कोषों में बढ़ोतरी की। दूसरी घोषणा में सीएम ने वेलफेयर फंड के लिए 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया। तीसरी घोषणा में उत्सव कोष 2023-24 फंड 1 करोड़ से बढ़ाकर डेढ़ करोड़ रुपाये किया गया।

शाम को पुलिस बैंड का प्रदर्शन

जयपुर के जवाहर सर्कल स्थित पत्रिका गेट पर पुलिस बैंड का प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें राजस्थान पुलिस के सेंट्रल बैंड, हाड़ी रानी बटालियन और संयुक्त बैंज (ब्रास बैंड) का डिस्प्ले होगा। राज्य स्तर पर गुरुवार को सुबह 10 से 11.30 बजे तक जयपुर में आरपीए में पुलिस कार्यों में विधि विज्ञान से जुड़े विषयों पर सेमिनार आयोजित होगा। इसी दिन शाम को आरपीए में सांस्कृतिक संध्या और भोजन का आयोजन रखा गया है।

जन समास्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन

पाली । पाली शहर की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेसजनों ने ब्लॉक अध्यक्ष जीवराज बोराणा की अगुवाई कांग्रेस कार्यालय में एकत्रित होकर वँहा से पाली संभागीय आयुक्त, अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं आयुक्त नगर परिषद कार्यालय पहुँच कर उनके मार्फत प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम ज्ञापन सौंपकर अविलम्ब शहर की जनसमस्याओं के निराकरण की मांग की। पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस के संगठन महासचिव भँवर राव एवं सोशल मीडिया प्रभारी ताराचन्द चन्दनानी ने संयुक्त रूप से बताया कि ज्ञापन में प्रमुखता से पाली शहर में अथाह गंदगी से लबरेज नालों की मानसून पूर्व सफाई कराने व तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा गत वर्ष पन्द्रह जुलाई को बजट घोषणा के अंतर्गत पाली नगर परिषद सिमा में आने वाली पंद्रह सड़को का वर्चुअल शिलान्यास कर सार्वजनिक निर्माण द्वारा शुरू की गई सड़को में लगभग आधी लंबित पड़ी सड़कों को बनवाने, तथा बजट व रख - रखाव के अभाव में पाली शहर के लगभग तीस वीरान पड़े उद्यानों को इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के अंतर्गत विकसित करने की मांग की। पाली शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी भँवर राव एवं ताराचन्द चन्दनानी ने बताया कि ज्ञापन में मानसून पूर्व पाली शहर के कमजोर ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त कर जल भराव जैसी स्थिति से निपटने हेतु अथाह गंदगी से लबालब नाले व पाली शहर से गुजर रही सिंचाई विभाग की नहरों में जमा सिल्ट व झाड़ियों की सफाई अभियान चलाने व पाली शहर की वर्तमान सीवरेज लाइनों में सफाई और मोनिटरिंग के अभाव में कमजोर हो चुकी सिटी सीवरेज ड्रेनेज सिस्टम के चलते सीवरेज चेम्बर ओर होदियो से ओवरफ्लो होकर बदबूदार गन्दा पानी सड़को पर फेल रहा हैं। सिवरेज लाइनों के उच्च स्तरीय मोनिटरिंग व्यवस्था कराने की मांग सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पहुँची महिलाओं ने इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना के अंतर्गत रोजगार देने की मांग की। इस अवसर पर पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जीवराज बोराणा, पीसीसी सदस्य महावीर सिंह सुकरलाई, संगठन महासचिव भँवर राव, कांग्रेस नेता जोगाराम सोलंकी, सेवादल प्रदेश महासचिव मोहन हटेला, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश सांखला, अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष रतन उद्देश , सेवादल जिलाध्यक्ष प्रकाश चौधरी, पार्षद संतोखसिंह बाजवा, भरत राव, ताराचन्द चन्दनानी , राजेन्द्र मेघवाल, अब्दुल रज्जाक चढ़वा, मांगूसिंह दुदावत , बाबूभाई कीर, आमीन अली रँगरेज, राजू सोलंकी, जुगराज चौहान, भैराराम गुर्जर, असगर अली कुरेशी, जब्बरमल जांगिड़, विनोद मोदी, श्याम वागोरिया, कमरुद्दीन पठान, चेलाराम राबड़ा, चिमनलाल वर्मा,मांगीलाल सोलंकी, मंगलाराम मेघवाल, नरेश कुमार,निशा बैरवा, मीनाक्षी लोहिया,हेमीदेवी बंजारा, मंजू मेघवाल, गीता मेघवाल, शुशीला रेगर, मंजू देवी,आरिफा खान सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सांचोर ब्लाइंड मर्डर में दो आरोपी गिरफ्तार

-बदला लेने के लिए मामा के साथ मिलकर की थी हत्या

जालोर। पांच हजार के इनामी आरोपी ने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए मामा के साथ मिलकर हत्या की वारदात को दिया था अंजाम। पुलिस दोनों आरोपियों को किया गिरफ्तार। राजस्थान के सांचोर पुलिस ने एक साल पुराने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमे से एक पांच हजार का इनामी अपराधी है। उसने अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए मामा के साथ मिलकर एक व्यक्ति की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था। जानकारी के अनुसार सांचोर पुलिस ने एक साल पुराने ब्लाइंड मर्डर का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार सांचौर जिले के आगर निवासी प्रकाश पुत्र मानसिंगाराम जाति कलबी ने 20 मई 2023 को रिपोर्ट पेश पर बताया कि उसके पिता मानसिंगाराम अपने घर में शाम 6 बजे के करीब सोए हुए थे। उस दौरान दो नकाबपोश हमलावरों ने अचानक घर के अंदर प्रवेश कर उसके पिता पर चाकू से हमला कर दिया। साथ ही गले में गोली मार दी। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। घायल पिता को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से गंभीर हालत में शहर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रिपोर्ट पर हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। सांचौर एसपी हरिशंकर के निर्देशन में थाना अधिकारी हुकमाराम के नेतृत्व में टीम गठित हत्या की एक साल पुराने प्रकरण में आरोपियों को नामजद कर आरोपी महेश कुमार के निवास पर दबिश देकर दस्तयाब किया गया। आरोपी नागजीराम उर्फ नागजी भाई निवासी ड्सन गुजरात से दस्तयाब किया गया। दोनों आरोपियों ने पुलिस पूछताछ में हत्या की बाद को कबूल किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी महेश कुमार पांच हजार का इनामी अपराधी है। फिलहाल दोनों आरोपियों से पुलिस की कड़ी पूछताछ और अनुसंधान जारी है। सांचौर थानाधिकारी हुकमाराम ने बताया कि थाना क्षेत्र के अगार में 20 मई 2023 को एक ब्लाइंड मर्डर हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक अज्ञात लोगों ने मुह बांधकर घर में घुसकर चाकू और पिस्तौल से हमला कर गोली मारकर एक व्यक्ति की हत्या की गई। अज्ञात लोगों द्वारा हत्या करने का मामला सामने आया था। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जिला पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देशन में टीम गठित की गई। जिसमें एक साल पुराने ब्लाइंड मर्डर के मामले तकनीकी सहायता एवं मुखबिर तंत्र से हत्या मामले शरीक आरोपियों को नमाजद कर आरोपी महेश कुमार पुत्र भगवानाराम कलबी व नागजीराम को दस्तयाब कर पूछताछ करने पर हत्या की वारदात करना कबूल किया हैं। गिरफ्तार आरोपी महेशकुमार पांच हजार का इनामी आरोपी है, जिसके विरुद्ध अन्य प्रकरण भी दर्ज है मामले में बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

बारूद में तेज धमाके के साथ उड़ गई बंदूक की दुकान

उदयपुर। बंदूक की दुकान में बारूद भी था जिस वजह से विस्फोट इतना भयानक हो गया। धमाके से दुकान की खिड़कियां और दरवाजे धराशाई हो गए। धमाके इतना जोरदार था कि एक शव सीढ़ियों पर तो दूसरा शव बाहर आकर गिरा। शहर के सवीना थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक बदूंक की दुकान के बारूद में हुए ब्लास्ट से दो लोगों की मौत हो गई। धमाका इतना जोरदार था कि मरने वालों में एक का शव सीढ़ियों पर तो दूसरे का शव सड़क पर जाकर गिरा। सवीना सब्सिडी सेंटर में दोपहर तीन बजे के आसपास हुए धमाके की गूंज 300 मीटर तक सुनाई दी। सवीना स्थित राजेन्द्र देवपुरा एंड कंपनी की बिल्डिंग में बन्दकों के निर्माण व खरीद-फरोख्त का काम होता है। यहां मंगलवार दोपहर अचानक एक धमाका हुआ। आसपास के लोग घटना स्थल की ओर दौड़े तो पता चला कि पास ही बंदूक बनाने वाली दुकान में ये भयानक हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग में बारूद भी था, जिसमें विस्फोट होने से ये हादसा हुआ। धमाके में दुकान की खिड़कियां व दरवाजे धराशाई हो गए। अंदर काम रहे दो लोगों की भी मौत हो गई, जिनकी शव क्षत-विक्षत होकर धमाके के साथ बाहर आ गिरे। मृतकों में दुकान के मालिक राजेन्द्र देवपुरा तथा एक मजदूर शामिल हैं, जिनके शवों को शहर के महाराणा भूपाल चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया है। आईजी अजयपाल लाम्बा, एसपी योगेश गोयल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छगन पुरोहित ने मौके पर पहुंच कर स्थित का जायजा लिया। पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के अनुसार दुकान के मालिक राजेंद्र देवपुरा के पास दिसंबर 2023 तक का लाइसेंस था। जिन्होंने रिन्युअल के लिए अप्लाई कर रखा था। ब्लास्ट के कारणों का पता लगाने के लिए एफएसएल की टीम जांच कर रही है। सुरक्षा कारणों को देखते हुए दुकान के आसपास का इलाका सील कर दिया गया है। बाकी बातें जांच बाद ही सामने आएंगी।

लड़की के भाइयों ने मारपीट कर तोड़ दिए युवक के हाथ-पैर

नागपुर । शहर में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। मारपीट में युवक के हाथ पैर तोड़े गए। युवक के साथ 5 से 6 लोगों ने मारपीट की। मामला लड़की से जुड़ा बताया जा रह है। शहर में लड़की से जुड़े एक मामले में युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। लोगों ने युवक के हाथ-पैर तोड़ दिए। साथ ही युवक के भाई को भी धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित पक्ष ने पांच से छह लोगों के खिलाफ डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर भी पीड़ित पक्ष जिला पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाने पहुंचा। मारपीट में घायल हुए टीकमचंद नामक युवक ने डीडवाना थाने में मामला दर्ज कराया है। थाने में दी गई लिखित रिपोर्ट के अनुसार टीकमचंद पुत्र रामेश्वरलाल निवासी पाटण हाल निवासी लालजी बावडी ग्राम पाटण का रहने वाला हूं। मेरे मकान के सामने मुलचन्द जांगिड़ निवासी लालजी की बावडी डीडवाना का घर है। मुलचन्द मास्टर के घर से सुनिल जांगिड़ घर से बाहर आया और मेरे साथ लाठी से गारपीट शुरू कर दी। दोनों हाथ, दोनों पैरों पर, पीठ पर भी लाठी से काफी चोटें मारीं। उसने मेरी जेब में रखा फोन 2 लाख रुपये नकद थे वो भी ले लिए। उसके साथ सिताराम और अन्य 5-6 लोग थे, जिन्होंने मारपीट की। मैंने हो हलला किया तो मेरे मोहल्ले के लोग भागकर आये। इतने में वो भाग गए। उसने रिपोर्ट में बताया कि सुनिल जांगिड़ की लड़की से 5-7 दिन पहले कहीं चली गई। इसको लेकर ये मेरा नाम ले रहें कि तुम मेरी लड़की को भगा दिए। इसी बात को मारपीट की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चलती ट्रेन में चोरियां करने वाले चोर पुलिस हिरासत में

-नशे की लत को पूरा करने के लिए करते थे वारदात

आबू रोड । जिले की आबू रोड पुलिस ने चलती ट्रेन के स्लीपर कोच से चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी शातिर चोर हैं और नशे की लत को पूरा करने के लिए ट्रेन और बस स्टैंड पर चोरी की वारदातें करते हैं। आबू रोड रेलवे पुलिस ने चलती बांद्रा-बीकानेर ट्रेन के स्लीपर कोच से लेडिज पर्स, नकदी, सोने के झुमके व मोबाइल चुराने के मामले का खुलासा कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी अपनी नशे की लत को पूरा करने के लिए इस तरह की वारदातें करते हैं। आबू रोड रेलवे पुलिस थानाधिकारी मनोज कुमार चौहान की अगुवाई में टीम द्वारा धर्मराज उर्फ भोलू पुत्र प्रहलाद एवं मोना उर्फ लक्की पुत्र विक्रम को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी धर्मराज उर्फ भोलू चोरी के चार मामलों में सजायाफ्ता है व जीआरपी थाना आबूरोड पर चोरी के एक प्रकरण में विचाराधीन है। जबकि मोना उर्फ लक्की जीआरपी थाना अजमेर में चोरी के चार मामलों में सजायाफ्ता है। आरोपियों को बुधवार को न्यायालय अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रेलवे महानगर जोधपुर में पेश किया जाएगा।

सांभर झील में मानव कंकाल मिलने से फैली सनसनी

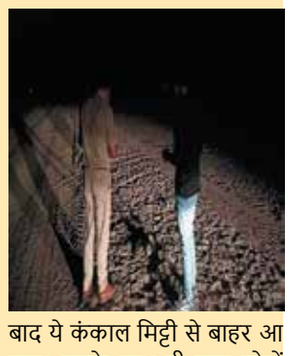

सांभर झील । में मिला मानव कंकाल कितने वर्ष पुराना ये जांच का विषय बना हुआ है। पूर्व में भी मिले शव की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। डीडवाना जिले के नावां से सटी विश्व विख्यात सांभर झील में नावां से करीब चार किलोमीटर दूर तथा खाखड़की सड़क से लगभग दो किलोमीटर अंदर एक मानव कंकाल मिला। यह मानव कंकाल आधा जमीन में दबा हुआ। देखने से प्रतीत होता है किसी व्यक्ति का शव मिट्टी में दबाया गया हो। लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि झील के रास्ते के पास एक मानव कंकाल देखा गया। आसपास से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर गुजरते हैं, लेकिन किसी ने भी इस पर ध्यान नहीं दिया। पुलिस व प्रशासन को इस मानव कंकाल की भनक तक नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि किसी व्यक्ति को मारकर यहां जमीन में दबाया गया, लेकिन झील में पानी का भराव होने के बाद ये कंकाल मिट्टी से बाहर आ गया। इसके साथ ही कुछ लोगों का अंदेशा है कि झील में नमक उद्यमियों की ओर से बोरवेल चलाने के लिए विद्त केबिले डाली जाती हैं, जिसके करंट से भी किसी व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। कंकाल पर शर्ट का कपड़ा लगा हुआ है जिससे प्रतीत होता है कि यह किसी पुरुष का कंकाल है। कंकाल को पुलिस ने उपजिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्यास लगी तो जंगल से निकलकर कुशालीदर्रा पहुंची बाघिन

-फोटो के लिए लोगों ने हाईवे किया जाम

रणथंभौर की लाडली बाघिन टी-8 तीन बार मां बन चुकी है। बाघिन ने प्रथम प्रसव में टी-61, टी-62 को जन्म दिया था। दूसरे प्रसव में टी-85, टी-86, तीसरे प्रसव में टी-108, टी-109 और चौथी प्रसव में टी-127, टी-128 और टी-129 को जन्म दिया था। भीषण गर्मी के दौर में इंसानों के साथ ही पशु पक्षी भी परेशान हैं। अब पानी की तलाश में रणथम्भौर के जंगलों से निकलकर बाघ बाघिन बाहर आने लगे हैं। ऐसा ही एक नजारा रणथंभौर में देखने को मिला। रणथंभौर की लाडली नामन बाघिन टी-8 रणथंभौर के जंगल से निकलकर नेशनल हाईवे-552 टोंक चिरगांव पर आ पहुंची। बाघिन टी 8 पानी की तलाश में हाईवे स्थित कुशालीदर्रा पहुंच गई। बाघिन को देखकर मौके पर राहगीरों और वाहन चालकों की भीड़ लग गई। इस दौरान लोगों ने बाघिन के फोटो वीडियो बनाएं। दरसल सोमवार शाम करीब 6.30 बजे बाघिन पहाड़ी के रास्ते कुशालीदर्रा आ पहुंची। यहां बाघिन ने नाले में पानी पीया। बाघिन करीब 30 मिनट तक पानी में ही बैठी रही। इस दौरान यहां हाईवे से गुजर रहे लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर वन विभाग के फलौदी रेंजर विष्णु गुप्ता मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने लोगों को मौके से हटाया। जिसके बाद बाघिन की ट्रेकिंग शुरू की गई। करीब आधा घंटे बाद बाघिन ने वापस जंगल का रूख किया। बाघिन लाड़ली टी 8 रणथम्भौर की उम्रदराज बाघिन है। उसकी उम्र करीब साढ़े सत्तरह साल है। बाघिन अब तक चार बार मां बन चुकी है। बाघिन ने प्रथम प्रसव में टी-61, टी-62 को जन्म दिया था। दूसरे प्रसव में टी-85, टी-86, तीसरे प्रसव में टी-108, टी-109 और चौथी प्रसव में टी-127, टी-128 व टी-129 को जन्म दिया था।

झगड़े से परेशान पत्नी ने कुल्हाड़ी से पति की हत्या की

बूंदी । हाल ही में बूंदी में हुई युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने युवक की पत्नी को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात खेत पर बने मकान में सोए युवक की हत्या को लेकर उसकी पत्नी ने बयान दिया था कि कुछ बदमाशों ने लूटपाट के उद्देश्य से युवक की हत्या कर दी और भाग गए। बूंदी में युवक की हत्या करने के मामले में पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में हत्या करने वाली मृतक की पत्नी ने अनबन और मारपीट के चलते हत्या करना कबूल किया है। पत्नी ने हत्या के बाद पति की सोने की कानों की मुर्कियों को खींच लिया ताकि बदमाशों का नाम लेकर हत्या का आरोप लगा दे लेकिन पुलिस को शुरू से ही शक था कि हत्या करने वाला कोई घर का ही हो सकता है। पत्नी द्वारा बताई गई बात पुलिस के गले नहीं उतर रही थी। इसी के चलते मृतक की पत्नी को पुलिस ने डिटेन कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना जुल्म कबूल लिया। पुलिस ने हत्या के आरोप में पत्नी ममता गुर्जर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में पत्नी ने बताया कि मृतक उसके साथ मारपीट करता था और इसी के चलते वह उससे छुटकारा पाना चाहती थी, इसलिए उसकी हत्या कर दी। नृसिंहपुरा गांव निवासी राजू उर्फ राजेंद्र गुर्जर (30) शनिवार रात खेत पर बने अपने मकान में सोया हुआ था। उसकी पत्नी ममता गुर्जर अपने तीनों बच्चों के साथ बाहर सो रही थी। जब राजू गहरी नींद में सो गया तो पत्नी ने कुल्हाड़ी से राजू की गर्दन काट दी, इसी दौरान बच्चे जाग गए और खून देखकर चीख-पुकार करने लगे। आवाज सुनकर परिजन व अन्य लोग भी दौड़कर आए तो पत्नी ने उन्हें बताया कि अज्ञात बदमाशों ने पति पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया और कानों की मुर्कियां ले गए। दबलना थानाधिकारी मनोज शिकारवार ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का मौका-मुआयना कर क्राइम सीन को देखा और घटना से जुड़े साक्ष्य एकत्रित किए। घटना की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमा शर्मा, हिंडौली डीएसपी घनश्याम मीणा, थाना अधिकारी मनोज सिकरवार मय जाप्ते के मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। मौके पर कोटा से एफएसएल व एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस को पत्नी साथ में होने के बावजूद बदमाशों द्वारा हत्या की बात हजम नहीं हो पा रही थी इस पर परिवार के लोगों से बातचीत की तो परिवार के लोगों ने भी पत्नी पर शक जताया। इसके बाद पत्नी को डिटेन कर सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने हत्या करना कबूल किया।

नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

-दो बीघा सरकारी जमीन पर अवैध क जे को ध्वस्त किया

बीकानेर । जयपुर पुलिस मुख्यालय से मिले निर्देशों के अनुसार प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज बीकानेर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बज्जू क्षेत्र में नशा तस्कर के सरकारी जमीन पर किए गए अवैध कब्जे को हटा दिया। पुलिस मुख्यालय, जयपुर से मिले निर्देश के अनुसार नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत आज बीकानेर पुलिस की ओर से बज्जू थाना क्षेत्र में नशा तस्कर के अवैध कब्जे को ढहा दिया गया। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पुलिस टीम ने कुख्यात नशा तस्कर मांगीलाल पुत्र नारायणराम द्वारा बज्जू थाना क्षेत्र में दो बीघा सरकारी जमीन पर किए गए कब्जे को ढहाकर सरकारी जमीन को मुक्त करवाया है। उक्त सरकारी जमीन की कीमत तकरीबन दो करोड़ रुपए से ज्यादा है। एसपी ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

19 कॉटन जिनिंग और ऑयल मिल इकाईयों को

हनुमानगढ़ । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार की बेहतरीन औद्योगिक नीतियों से प्रदेश में निर्यात एवं निवेश बढ़ा है। जिला हनुमानगढ़ में भी औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में मंगलवार को राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2019 एवं राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2022 के अंतर्गत जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक हुई। इसमें प्राप्त प्रकरणों पर चर्चा कर योजना के तहत छूट प्रदान करने का अनुमोदन किया गया। इन निर्णयों से जिले में निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर बढ़ेंगे। बैठक में रिप्स-2022 के अंतर्गत कुल 21 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। इनमें लगभग 20.65 करोड़ रुपए का निवेश एवं लगभग 71 व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित हुए है। इनमें से कॉटन जिनिंग एवं ऑयल मिल की 17 इकाईयों को मंडी षुल्क एवं विद्त कर में 7 वर्षों के लिए 100 प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। वहीं, रिप्स-2019 के अंतर्गत 2 प्रकरणों का निस्तारण किया गया, जिसके अंतर्गत 9.35 करोड़ रुपए का निवेश एवं 15 व्यक्तियों को रोजगार के अवसर मिले है। इनमें भी मंडी शुल्क एवं विद्त कर में छूट दी गई है। ऐसे में कुल 19 इकाईयों को लाभ दिया गया है। इस अवसर पर जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र की महाप्रबंधक श्रीमती आकाशदीप सिद्, कृषि उपज मंडी समिति संगरिया के सचिव सुनील गोदारा, रीको आरएम ए.के. श्रीवास्तव, सीटीओ संजय कुमार, सुमित शेखावत, जोधपुर विद्त वितरण निगम लिमिटेड के एसई आर.आर. सहारण और रीको एआरएम श्रीमती सोनू सुथार उपस्थित थे।

राजेश पायलट की 24वीं पुण्यतिथि पर बोले सचिन

-चुनावों में जनता ने डबल इंजन की सरकारों को नकार दिया

दौसा । पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता राजेश पायलट की 24वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने दौसा के जीरोता में अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। दौसा के जीरोता में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की 24वीं पुण्यतिथि पर कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने अपने पिता को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर कांग्रेस के कई नेता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसे प्रेरणा दिवस के रूप में मनाया गया। सचिन पायलट ने अपने पिता को याद करते हुए कहा कि स्वर्गीय राजेश पायलट सभी 36 जातियों को साथ लेकर चलते थे और युवाओं के लिए प्रेरणा थे। उन्होंने खेत-खलिहान से लेकर देश की राजनीति में अहम भूमिका निभाई। पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान की जनता ने 11 सीटों पर भाजपा को हराकर स्पष्ट संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकारों को राजस्थान, उत्तरप्रदेश और हरियाणा में नकारा गया है और यह गठजोड़ की सरकार है, जिसमें किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला है। पायलट ने संसद में कांग्रेस के 147 सांसदों के निलंबन को जनता द्वारा नापसंद किए जाने की बात कही और भाजपा की 400 सीटों के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज उनकी संख्या 200 के करीब है। नीट परीक्षा पर सरकार के स्पष्टीकरण से ना विपक्ष और ना ही आमजन संतुष्ट हैं। सचिन पायलट ने केंद्र सरकार को अहंकार त्यागकर समर्पण भाव से काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में घमंड और अहंकार की सरकार चली है, जिसे जनता ने अब नकार दिया है। इस अवसर पर कई नवनिर्वाचित सांसद, विधायक और पूर्व विधायक मौजूद रहे।

कैंपर से कुचलकर युवक की हत्या, छह को पुलिस ने किया डिटेन

झुंझुनू। के गांव शीशियां में किराए की थार गाड़ी को लेकर हुए विवाद में युवक को कैंपर से कुचलकर मार डालने के मामले ने सनसनी फैला दी। गांव के जोहड़ में शराब ठेके सामने किराए की थार गाड़ी को लेकर हुए विवाद युवक की हत्या कर दी गई। आरोपियों ने कैंपर से युवक को कुचलकर मार दिया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छह युवकों को डिटेन किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार श्यामपुरा, नूआं गांव का फौजी संपत सिंह एक शादी में जाने की बात कहकर रविवार सुबह झुंझुनू में कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर से थार गाड़ी किराए पर लेकर गया था। देर रात गाड़ी एक ही जगह घूमती रही तो कार रेंटल सर्विस प्रोवाइडर ने थार गाड़ी का जीपीएस लॉक कर दिया। जीपीएस लॉक करने पर संपत ने कार रेंटल वालों को फोन पर उलहाना दिया तो आपस में गाली गलौच हो गई। इसके बाद गाड़ी किराए पर देने वाले अंकित व उसका दोस्त शशि पुत्र रामेश्वर, राहुल पुत्र नाहर सिंह, सुनील पुत्र रणवीर सिंह, श्रीगंगानगर के दिनेश कुमार समेत दस के करीब युवक तीन गाड़ियों में सवार होकर थार में लगे जीपीएस की लोकेशन के आधार पर शीशियां गांव के बाहर राणासर रोड स्थित जोहड़ में शराब ठेके के सामने पहुंचे। जहां पर थार किराए पर लेने वाले श्यामपुरा, नूआं गांव के फौजी संपत सिंह, सुमित झाझड़िया व सुनील जाट ने समय पूरा नहीं होने का हवाला देते हुए किराए पर ली गई थार देने से मना कर दिया। इस पर गाड़ी किराए पर देने वालों व किराए पर लेने वाले संपत फौजी, सुमित व सुनील के बीच झगड़ा हो गया। झगड़े के दौरान वहां पर मौजूद दिनेश कुमार पर सुमित ने कैंपर चढ़ा दी। कैंपर चढ़ाने के बाद घायल दिनेश को बीडीके अस्पताल लाया गया। वहां पर हालत गंभीर होने पर उसको एक निजी अस्पताल ले गए। वहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बीडीके अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कर परिजन को सौंप दिया।

दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल हुआ था

मृतक दिनेश रविवार को अपने दोस्त अंकित की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुआ था। दिनेश कुमार रविवार को अपने दो दोस्तों के साथ सुबह 10 बजे सालासर जाने के लिए अपने घर से निकला था। इसी बीच वह दोस्त अंकित के जन्मदिन में शामिल होने झुंझुनू ही ठहर गया। रात को सभी दोस्तों ने मिलकर झुंझुनू के पूरा की ढाणी में एक होटल में पार्टी की। यहां से संपत फौजी को किराए पर दी गई कार लेने गए युवकों के साथ शिशियां चला गया। मृतक दिनेश रेलवे में एसआई की तैयारी कर रहा था। जीडी का पेपर क्लियर कर चुका था और 15 दिन बाद फिजिकल था।

जम्मू के आतंकी हमले में मृतकों के परिजनों ने चौमूं में धरना दिया

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में राजस्थान के चौमूं और हरमाड़ा के 4 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने चौमूं पुलिस थाने के बाहर धरना दिया और मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मुआवजे की मांग की।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में हुए आतंकी हमले में चौमूं और हरमाड़ा के 5 लोग शिकार हो गए, जिनमें से 4 की मौत हो गई। इस दुखद घटना के बाद ग्रामीण और मृतकों के परिजन चौमूं पुलिस थाने के बाहर धरने पर बैठ गए और परिजनों को सरकारी आर्थिक मुआवजे और सरकारी नौकरी की मांग की।

धरनास्थल पर पहुंचे चौमूं विधायक डॉ. शिखा मील बराला और आरएलपी प्रदेश महामंत्री छुट्टन यादव ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। चौमूं SDM दिलीप सिंह राठौड़ और एसीपी अशोक चौहान ने भी परिजनों से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। आक्रोशित ग्रामीण मृतकों के परिजनों के लिए आर्थिक मुआवजा और सरकारी नौकरी की मांग पर अड़े हुए हैं।

गैस सिलेंडर से निकली नली में लगी आग से युवक के हाथ और पेट झुलसा

अलवर । शहर के अरावली थाना क्षेत्र में घर पर खाना बना रहा एक युवक गैस के सिलेंडर की नली निकलने से लगी आग के कारण बुरी तरह झुलस गया। कपड़ों में लगी आग के कारण उसके हाथ और पेट का हिस्सा ऊपर तक झुलस गया। युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अलवर शहर के अरावली विहार थाना क्षेत्र के चोर डूंगरी मोहल्ले में 24 वर्षीय व्यक्ति खाना बनाते समय झुलस गया। अचानक गैस सिलेंडर की नली निकलने से लगी आग के कारण उसके कपड़ों में आग लग गई, आग बुझाते समय उसके हाथ भी झुलस गए। युवक का जिला अस्पताल में इलाज जारी है। चोर डूंगरी निवासी कृष्ण कुमार सैनी मंगलवार को घर पर खाना बना रहा था। तब अचानक सिलेंडर से लगी नली निकल गई और अचानक लगी आग वहीं खड़े कृष्ण के कपड़ों में लग गई। आग बुझाने के लिए उसने अपने कपड़ों को निकालने की कोशिश की तो इसमें उसके हाथ भी झुलस गए। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, वहां उसका इलाज जारी है। घायल की पत्नी ज्योति सैनी ने बताया कि कृष्ण हलवाई का काम करता है। खुद के घर पर खाना बनाते समय यह घटना हुई। परिवार के लोगों को कृष्ण के चिल्लाने पर घटना का पता चला। उसके बाद सबने मिलकर आग को बुझाया और कृष्ण को अस्पताल लेकर आए।

कांस्टेबल ने सर्विस राइफल से खुद को गोली मारी

पाली । कल देर रात पाली के औद्योगिक नगर थाने में ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली, गोली उसके सिर से निकलकर कमरे की छत पर जा लगी। मृतक के शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पाली के औद्योगिक नगर थाने में ड्यूटी पर तैनात एक कांस्टेबल ने देर रात खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। जिले के लापावास गांव का निवासी भरत चौधरी औद्योगिक थाने में कांस्टेबल के पद पर तैनात था और मंगलवार रात उसकी संतरी की ड्यूटी थी। ड्यूटी के दौरान ही उसने रात करीब डेढ़ बजे सर्विस राइफल से खुद पर फायर कर दिया, जिससे गोली उसके सिर से निकलकर कमरे की छत पर जाकर लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। औधोगिक थाने में हुई इस घटना की जानकारी मिलने पर पाली एसपी चूनाराम जाट मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली, मृतक के शव को बांगड़ अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। जानकारी के अनुसार मृतक भरत वर्ष 2015 बैच का कांस्टेबल है और उसकी पत्नी भी कांस्टेबल है, जो कि वर्तमान में महिला थाने में पदस्थ है। सूत्रों के अनुसार माना जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच चल रहे तनाव के कारण कांस्टेबल ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया।

दो घंटे भी नहीं टिकी सैलेरी मिलने की खुशी

-तीन दोस्तों को मिली दिल दहला देने वाली मौत... चौथा भर्ती

श्री गंगानगर । मृतक युवक ईंट भट्टे पर काम करते थे और काम करने के बाद अपने घर की ओर जा रहे थे। श्री गंगानगर जिले में बीती रात भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक युवक ईंट भट्टे पर काम करते थे और काम करने के बाद अपने घर की ओर जा रहे थे। इस दौरान वो हादसे का शिकार हो गए। सूरतगढ़ सदर थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात गांव भगवानसर स्थित बाघला ईंट भट्टे से चारों युवक बाइक पर सवार होकर अपने गांव जा रहे थे। इस दौरान गांव 28 पीबीएन बस स्टैंड के पास सामने से आ रहे सेना के ट्रक और बाइक में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को सेना के अस्पताल ले जाया गयां । इस दौरान गुरदयाल सिंह और अंग्रेज सिंह को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि जोगेन्दर सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। बाइक सवार अन्य घायल युवक राजेंद्र सिंह को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने पर उसे हायर सेंटर बीकानेर रेफर कर दिया गया। भट्ठा मालिक ने बताया कि बाइक सवार युवक काम समाप्त कर वापस अपने गांव पांच एसएचपीडी जा रहे थे कि यह हादसा हो गया। भट्ठा मालिक ने चार में से तीन युवकों को बीती रात ही सैलरी दी गई थी। बताया जा रहा है कि बाइक की गति तेज थी जिससे बाइक सामने से आ रहे ट्रक को अचानक देख कर अनियंत्रित हो गई और ट्रक में जा घुसी। पुलिस ने तीनों के शव मोर्चरी में रखवाए हैं। आज बुधवार को शवों का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। घटना की सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। अस्पताल में कोहराम मच गया।

चलती बस में लगी आग से बस स्वाहा, नहीं हुई कोई जनहानि

दौसा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे पर चलती बस में आग लग गई। हादसे के समय बस में कोई सवारी मौजूद नहीं थी। भांडारोज टोल प्लाजा के नजदीक ही हादसा होने के बावजूद किसी भी टोलकर्मी ने आग बुझाने में कोई मदद नहीं की। जिले में जब से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस हाईवे का फीता कटा है, हर दूसरे दिन कोई ना कोई हादसा हो ही रहा है। हाल ही में हुए हादसे में एक चलती हुई बस में आग लग जाने से बस पूरी तरह स्वाहा हो गई। हादसा भांडारोज इंटरचेंज के पास हुआ। टोल प्लाजा नजदीक होने के बावजूद वहां बैठे टोलकर्मी आग बुझाने में मदद करने के लिए आगे नहीं आए। सदर थाना अधिकारी सोहनलाल ने बताया कि यह बस 154 नंबर पिलर के आसपास खराब हो गई थी, जिसके बाद इसे टोचन करके ले जाया जा रहा था। बस खराब होने के चलते सवारियों को बस से उतारकर दूसरी बस में बैठा दिया गया था। भांडारेज इंटरचेंज पर उतरते समय अचानक बस में आग लग गई और देखते-देखते बस आग का गोला बन गई। इस हादसे में सबसे अच्छी बात यह रहेगी कोई जनहानि नहीं हुई। उधर मौके पर पहुंचे सदर थाना पुलिस के एएसआई विजयपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरके जैन द्वारा संचालित भांडारेज टोल बूथ पर मौजूद कर्मचारियों से मदद मांगी लेकिन टोल बूथ पर मौजूद कर्मचारी तमाशाबीन होकर तमाशा देखते रहे।

रिजवान का अर्धशतक

टी-20 वर्ल्ड कप में पाक की पहली जीत, कनाडा को 7 विकेट से हराया

भाषा ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका और भारत से हारने वाली पाकिस्तानी टीम ने मंगलवार को यहां आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप ग्रुप ए मैच में कनाडा पर सात विकेट की जीत से अगले दौर में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवंत रखीं। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद कनाडा की टीम पाकिस्तान के गेंदबाजों के आगे आरोन जॉनसन (52 रन) के अर्धशतक के बावजूद सात विकेट पर 106 रन ही बना सकी। पाकिस्तान ने फिर मोहम्मद रिजवान (नाबाद 53 रन) और बाबर आजम (33 रन) के बीच दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 63 रन की साझेदारी की बदौलत यह लक्ष्य 15 गेंद रहते 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन बनाकर हासिल कर टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की।

लक्ष्य छोटा ही था और इसका पीछा करने उतरी पाकिस्तान ने धीमी शुरूआत की। 10 ओवर तक उसका स्कोर एक विकेट पर 59 रन था। इस दौरान केवल दो चौके और एक छक्का ही लग सका था। ये दोनों चौके रिजवान (53 गेंद, दो चौके, एक छक्का) ने लगाये और कप्तान बाबर (33 गेंद, एक चौका, एक छक्का) ने 10वें ओवर में जुनैद सिद्दिकी पर छक्का जड़कर टीम का रनों का अर्धशतक पूरा किया। पाकिस्तान का सईम अयूब को शामिल करने का कोई फायदा नहीं मिला जो पावरप्ले के पांचवें ओवर में डिलोन हेलिगर की गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच आउट हुए और 12 गेंद में महज छह रन ही बना सके। पावरप्ले में जूझने के बाद बाबर और रिजवान संभलकर खेले। पर हेलिगर ने 15वें ओवर में पाकिस्तानी कप्तान बाबर को अपना दूसरा शिकार बनाया और इस भागीदारी का अंत किया। रिजवान ने अगले ओवर की पहली गेंद को एक्सट्रा कवर में छक्के के लिए भेज दिया। उन्होंने 17वें ओवर में 52 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जो पाकिस.तान के खिलाड़ी का सभी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में सबसे धीमा पचासा भी रहा।

पाकिस्तान को नेट रन रेट पॉजिटिव रहा

पाकिस्तान को अपना नेट रन रेट पॉजिटिव करने के लिए इस लक्ष्य को 19.1 ओवर में हासिल करने की जरूरत थी। उसे अमेरिका (0.626) से ज्यादा नेट रन रेट करने के लिए इसे 13.5 ओवर में हासिल करना था। अब पाकिस्तान का नेट रन रेट -0.150 से 0.191 हो गया है। इससे पहले विकेट पर कभी कभार असमान उछाल देखने को मिला। केवल जॉनसन ही संभलकर खेलते हुए 44 गेंद में चार छक्के और इतने ही छक्के से 52 रन बना सके जबकि कनाडा के बाकी बल्लेबाजों को संघर्ष करना पड़ा। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने लगातार विकेट चटकाये। मोहम्मद आमिर ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट झटककर सबसे बेहतर प्रदर्शन किया।

कनाडा-106/7 (20)

खिलाड़ी	रन
आरोन जॉनसन बो नसीम शाह	52
नवनीत धालीवाल बो आमिर	04
परगट का फखर जमां बो अफरीदी	02
निकोलस किरटन रन आउट	01
श्रेयस मोव्वा का रिजवान बो राऊफ	02
रविंदरपाल सिंह का जमां बो राऊफ	00
साद बिन का रिजवान बो आमिर	10
कलीम सना नाबाद	13
डिलोन हेलिगर	09
अतिरिक्त : 13	

कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 106 रन
विकेट पतन : 1-20, 2-29, 3-43, 4-54, 5-54, 6-73, 7-87
गेंदबाजी: अफरीदी 4-0-21-1, शाह 4-0-24-1, आमिर 4-0-13-2, हारिस 4-0-26-2, वसीम 4-0-19-0

पाक-107/3(17.3)

खिलाड़ी	रन
मोहम्मद रिजवान नाबाद	53
सईम अयूब का मोव्वा बो हेलिगर	06
बाबर आजम का मोव्वा बो हेलिगर	33
फखर जमां कत्र सब बो गोर्डोन	04
उस्मान खान नाबाद	02
अतिरिक्त : 09	

कुल : 17.3 ओवर में तीन विकेट पर 107 रन
विकेट पतन : 1-20, 2-83, 3-104
गेंदबाजी: सना 3-0-21-0, गोर्डोन 3.3-0-17-1, डिलोन 4-0-18-2, जफर 4-0-23-0, जुनैद सिद्दिकी 3-0-28-0

खबर संक्षेप

भारत करेगा जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी

लुसाने (स्विट्जरलैंड)। भारत अगले साल पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप की मेजबानी करेगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के कार्यकारी बोर्ड ने मंगलवार को यह घोषणा की। यह प्रतियोगिता दिसंबर में खेली जाएगी। प्रतियोगिता में यह पहला अवसर होगा जबकि इसमें 24 टीम हिस्सा लेंगी। पिछला जूनियर विश्व कप 2023 में कुआलालंपुर में खेला गया था जिसमें जर्मनी ने फाइनल में फ्रांस को 2-1 से हराकर खिताब जीता था। स्पेन तीसरे और भारत चौथे स्थान पर रहा था। भारत इससे पहले तीन बार 2013 (नई दिल्ली), 2016 (लखनऊ) और 2021 (भुवनेश्वर) में टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुका है। भारत 2016 में चैंपियन भी बना था।

हर्षिता-श्रुति की जोड़ी पहले दौर में हारी

सिडनी। हर्षिता राउत और श्रुति स्वेन की भारतीय जोड़ी मंगलवार को यहां महिला युगल के पहले दौर में सीधे गेम में हार के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। हर्षिता और श्रुति की जोड़ी को डानिया नुगरोहो और काइ की बर्नाइस टियोह की स्थानीय जोड़ी के खिलाफ 19-21 19-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी। अन्य भारतीयों में अभिषेक येलिगर ने पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ के लिए क्वालीफाई किया। अन्य खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन अभिषेक ने पहले दौर में हमवतन शाश्वत दलाल को 21-14 21-5 से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया के जेई यिंग चेन को 21-15 21-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। वह पहले दौर में इजराइल के मिशा जिल्बरमैन से भिड़ेंगे। एचएस प्रणय इस बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे।

नीदरलैंड के मिडफील्डर डी जोंग यूरो-24 से बाहर

रोटरडम (नीदरलैंड)। नीदरलैंड के मिडफील्डर फ्रेंकी डी जोंग टखने की चोट के कारण यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में नहीं खेल पाएंगे जिससे टीम की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। नीदरलैंड के फुटबाल महासंघ ने बताया कि बार्सिलोना की तरफ से खेलने वाला यह स्टार फुटबॉलर जर्मनी में होने वाले यूरो 2024 के लिए उपलब्ध नहीं रहेगा। नीदरलैंड की आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में 4-0 से जीत के दौरान डी जोंग बाहर बैठे रहे। नीदरलैंड के कोच रोनाल्ड कोमैन ने कहा, ''वह अगले तीन सप्ताह तक शीर्ष स्तर की फुटबॉल खेलने के लिए पर्याप्त फिट नहीं हैं। उन्हें टीम में बनाए रखने का कोई मतलब नहीं बनता है।'' यूरोपीय चैंपियनशिप में 1988 का विजेता नीदरलैंड यूरो 2024 में अपना पहला मैच रविवार को पोलैंड के खिलाफ खेलेगा।

टी-20 वर्ल्ड कप : मैच न्यूयॉर्क के नासाउ क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से खेला जाएगा

भारत-अमेरिका के बीच आज होगी पहली जंग अभी तक दोनों ने जीते हैं अपने सभी मुकाबले

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी-20 विश्व कप 2024 का 25वां मुकाबला भारतीय क्रिकेट टीम और यूएसए क्रिकेट टीम के बीच खेला जाएगा। अब तक दोनों टीमों ने 2-2 मुकाबले खेले हैं और उन्हें हार नहीं मिली है। यूएसए ने कनाडा क्रिकेट टीम और पाकिस्तान क्रिकेट टीम को हराया है। भारतीय टीम ने आयरलैंड और पाकिस्तान को मात दी है। यह पहली बार होगा जब दोनों टीमें टी-20 क्रिकेट में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले की कौन किस पर भारी पड़ेगा यह देखना रोमांचक होगा। भारत और यूएसए के बीच होने वाला यह मैच आज 12 जून को नासाउ क्रिकेट स्टेडियम, न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। इस मैच को भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से होगा।

इस संयोजन के साथ नजर आ सकती है भारतीय टीम

पहले 2 मैच में मिली जीत के बाद भारतीय टीम अपने प्लेइंग इलेवन में ज्यादा बदलाव नहीं करना चाहेगी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ टीम की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही थी। ऐसे में विराट कोहली, रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव जैसे बल्लेबाजों को फॉर्म में लौटना होगा। टीम की गेंदबाजी शानदार रही है।

यूएसए को हल्के में लेना होगा मुश्किल

यूएसए ने टी-20 विश्व कप में अब तक कमाल का खेल दिखाया है। ऐसे में भारतीय टीम उन्हें हल्के में नहीं लेना चाहेगी। टीम के पास कई ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अकेले अपने दम पर मैच का पासा पलट सकते हैं। मोनांक पटेल, आरोन जोन्स और सौरभ नेत्रवलकर से टीम को काफी उम्मीदें होंगी।

टीम इंडिया का सुपर 8 अभी पक्का नहीं, इन टीमों से होगी टक्कर

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 में अब तक लगातार दो मैच जीत लिए हैं। हालांकि इसके बाद भी अभी ये तय नहीं है कि टीम सुपर 8 के लिए क्वालिफाई कर ही जाएगी। उसे दो मुकाबले और खेलने हैं। पाकिस्तान भले ही अपने दो मैच बैक टू बैक हार गया हो, लेकिन अभी तक उसकी भी सांसें चल रही हैं। कोई भी टीम भारत के लिए खतरा बन सकती है। हालांकि अच्छी बात ये है कि बचे हुए दो में से एक भी मैच टीम इंडिया जीत लेती है तो फिर उसकी कुर्सी पक्की हो जाएगी।

इन खिलाड़ियों पर रहेगी नजरें

गौस ने पिछले 8 मैच में 146.62 की स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए हैं। मोनांक के बल्ले से पिछले 7 मैच में 240 रन निकले हैं। सूर्यकुमार ने पिछले 7 मैच में 210 रन बनाए हैं। पंत ने इस विश्व कप में 2 मैच में 78 रन बनाए हैं। सौरभ ने पिछले 10 मैच में 11 विकेट झटके हैं। अक्षर के नाम पिछले 7 मैच में 11 विकेट है। अर्शदीप ने पिछले 8 मैच में 10 विकेट झटके हैं।

सात समंदर पार टीम इंडिया को 'भारतीयों' से ही बड़ा खतरा

कप्तान मोनांक पटेल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली। आयरलैंड और पाकिस्तान को हराने के बाद अब टीम इंडिया का अगला मुकाबला मजबूत लग रही अमेरिका से होने जा रहा है। आज 12 जून को न्यूयार्क के नासाउ काउंटी में दोनों टीमें भिड़ेंगी। भारत, आयरलैंड और पाकिस्तान को हरा चुकी है। वहीं, अमेरिका, कनाडा और पाकिस्तान को मात दे चुकी है। टी20 विश्वकप में ग्रुप ए के मैच रोचक हो गए हैं। भारत और अमेरिका अपने 2-2 मैच जीतकर टॉप पर बने हुए हैं। वहीं, पाकिस्तान काफी पिछड़ गया। हालांकि अमेरिका से भारत की पहली भिड़ंत है लेकिन भारतीय टीम को अमेरिका की ओर से खेल रहे भारतीय खिलाड़ी ही टीम इंडिया के लिए खतरा बन सकते हैं। अमेरिकी टीम में आधे से ज्यादा भारतीय खिलाड़ी हैं, लेकिन 5 बड़े खिलाड़ी टीम इंडिया को चुनौती दे सकते हैं।

भारत को चुनौती देने में पहला नाम टीम के कप्तान मोनांक पटेल है। मोनांक गुजरात राज्य से हैं। वर्तमान में मोनांक पटेल, अमेरिका की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कप्तान हैं। मोनांक गुजरात अंडर-16 और अंडर-19 टीम की तरफ से खेल चुके हैं। इसके बाद वह अमेरिका चले गए। उनका बल्लेबाजी करने का अंदाज विराट कोहली से मिलता-जुलता है। वह भारत के खिलाफ भी खतरनाक साबित हो सकते हैं।

बल्लेबाज नीतीश कुमार

नीतीश कुमार का जन्म कनाडा में हुआ, लेकिन उनके पूर्वज भारत से कनाडा में आकर बसे। वह कनाडा टीम की तरफ से भी खेल चुके हैं। नीतीश दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। पाकिस्तान के खिलाफ आखिरी बॉल पर चौका लगाकर उन्होंने मैच टाई किया था, जिसके बाद सुपर ओवर हुआ।

जसदीप सिंह

जसदीप सिंह 31 साल के हैं उनका जन्म न्यूयार्क अमेरिका में हुआ। वह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज है। जसदीप सिंह अमेरिका की राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलते हैं। इसके अलावा अमेरिका के घरेलू क्रिकेट भी खेल चुके है।

निशानेबाजी

ओलंपिक के लिए राइफल और पिस्टल टीम घोषित

दो स्पर्धाओं में भाग लेगी मनु भाकर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय निशानेबाजी महासंघ ने पेरिस ओलंपिक के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की जिसमें स्टार पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर अकेली ऐसी खिलाड़ी है जो दो स्पर्धाओं में भाग लेगी।

टीम का चयन वर्चुअल बैठक में किया गया। टीम में आठ राइफल और सात पिस्टल निशानेबाज शामिल हैं। टीम के सभी सदस्य, कोच और सहयोगी स्टाफ अभी फ्रांस के वोल्मेरेंज लेस माइंस में शिविर में भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाना है। ओलंपिक में जाने से पहले सभी खिलाड़ी दो सप्ताह के लिए स्वदेश लौटेंगे।

ट्रायल्स परिणामों को दी गई प्राथमिकता

चयन समिति ने ट्रायल्स के परिणामों को प्राथमिकता देने का फैसला किया जिससे विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल जैसे निशानेबाजों के लिए दरवाजे बंद हो गए। पाटिल 10 मीटर एयर राइफल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे लेकिन इसके बावजूद वह ओलंपिक टीम में शामिल करने की गुहार लगा रहे थे क्योंकि उन्होंने कोटा हासिल किया था।

राइफल टीम

संदीप सिंह, अर्जुन बबूता (10 मीटर एयर राइफल पुरुष), एलावेनिल वलारिवन, रमिता (10 मीटर एयर राइफल महिला), सिफ्ट कौर समरा, अंजुम मौदगिल (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन महिला), ऐश्वर्य तोमर, स्वप्निल कुसाले (50 मीटर राइफल 3 पोजिशन पुरुष)

पिस्टल टीम

सरबजोत सिंह, अर्जुन चीमा (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष), मनु भाकर, रिदम सांगवान (10 मीटर एयर पिस्टल महिला), अनीश भानवाल विजयवीर सिद्धू (25 मीटर आरएफपी पुरुष), मनु भाकर, ईशा सिंह (25 मीटर पिस्टल महिला)।

सात्विक-चिराग ने गंवाई नंबर एक रैंकिंग, तीसरे स्थान पर खिसके

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पिछले हफ्ते इंडोनेशिया ओपन में खिताब की रक्षा के अपने अभियान से हटने वाली सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार को जारी बैडमिंटन विश्व महासंघ की नवीनतम रैंकिंग में दो स्थान के नुकसान से तीसरे स्थान पर खिसक गई।

चीन के लियांग वेई केंग और वैंग चैंग नई पुरुष युगल नंबर एक जोड़ी है। उनके बाद डेनमार्क के किम एस्ट्रूप और एंडर्स स्कारूप रासमुसेन का नंबर आता है जिन्होंने दो स्थान की छलांग लगाई है। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मई में थाईलैंड ओपन जीतकर नंबर एक रैंकिंग हासिल की लेकिन पिछले महीने सिंगापुर ओपन में पहले दौर से बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने मौजूदा ऑस्ट्रेलियाई ओपन से भी नाम वापस ले लिया है। पुरुष एकल में एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन क्रमशः 10वें और 14वें स्थान पर बने हुए हैं।

ओलंपिक दल के सदस्य नागल एटीपी चैलेंजर के प्री क्वार्टरफाइनल में

पेरूगिया (इटली)। भारत के शीर्ष वरीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने आधिकारिक रूप से पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया और मंगलवार को यहां बोस्निया के नर्मन फैटिक पर सीधे सेटों में जीत से एटीपी 125 पेरुगिया चैलेंजर के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पिछले हफ्ते जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप 2024 चैलेंजर टूर्नामेंट में पुरुष एकल खिताब जीतने वाले छठे वरीय भारतीय ने एक घंटे 52 मिनट तक चले पहले दौर के मुकाबले में 7-6(1), 6-2 से जीत दर्ज की। पहला सेट बराबरी पर रहा और दोनों खिलाड़ियों के बीच ज्यादा अंतर नहीं था। लेकिन नागल टाईब्रेक में फैटिक को मात देने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने सर्विस के शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए दूसरे सेट में अपने बोस्निया के प्रतिद्वंद्वी पर दबदबा बनाया।

अंपायर ने क्यों नहीं दिए लेग बाई के चार रन, समझिए पूरा माजरा

आईसीसी के एक अजीबोगरीब नियम ने डुबो दी बांग्लादेश की नैया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप के 20वें मुकाबले में सोमवार को साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को 4 रन से हरा दिया। न्यूयॉर्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन बना सकी। एडेन मार्करम के नेतृत्व वाली दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

आखिर हुआ क्या?

ओटनील बार्टमैन ने बांग्लादेश के बैटर महमूदुल्लाह को बॉल फेंकी, जो उनके पैड से लगकर बाउंड्री लाइन पार कर गई। वहीं,अफ्रीकी तेज गेंदबाज की ओर से एलबीडब्ल्यू अपील की गई। अंपायर ने आउट करार दे दिया। इसके बाद महमूदुल्लाह अंपायर के फैसले को चुनौती देते हुए डी.आर.एस का उपयोग किया, जहां बैटर को नॉट आउट करार दिया गया। गौरतलब है कि टीम को बाई के चार रन नहीं दिए गए।

बांग्लादेश को लेग बाई के नहीं मिले चार रन

इस मैच में अंपायर की एक गलती और आईसीसी के नियम की वजह से बांग्लादेश को एक चौका यानी चार रन नहीं मिला। अंपायर के फैसले से पूरी बांग्लादेश की टीम हैरान रह गई। दरअसल, दूसरी पारी के दौरान जब बांग्लादेश लक्ष्य का पीछा कर रही थी, तब 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर लेग बाई के रूप में चार रन नहीं दिए गए। अगर ये चार रन बांग्लादेश के मिल जाते तो टीम के रिजल्ट कुछ और हो सकते थे।

आउट के संकेत के बाद रन नहीं

दरअसल, आईसीसी नियम के मुताबिक अगर अगर अंपायर ने आउट के लिए उंगली खड़ी कर दी, तो गेंद पर लगी बाउंड्री या लिया गया कोई भी रन नहीं जोड़ा जाएगा। अंपायर के आउट देने के बाद गेंद डेड हो जाती है।

द. अफ्रीका का दबदबा कायम

बताते चलें कि साउथ अफ्रीका ने बांग्लादेश को लो स्कोरिंग मैच में मात देकर अपना दबदबा बरकरार रखा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कभी भी बांग्लादेश से हारी नहीं है। प्रोटियाज का टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड 9-0 से एकतरफा है।

फिटनेस फंडा / यश पंडित

मेरी हेल्थ-फिटनेस का सीक्रेट न्यूट्रिशस डाइट-वॉकिंग-अच्छी नींद

कई फिल्मों और हिट टीवी शोज में नजर आ चुके, यश पंडित हाल में ही सोनी सब टीवी के शो 'आंगन अपनो का' में राकेश की भूमिका में दिखे थे। यहां **हरिभूमि** से अपना फिटनेस फंडा शेयर कर रहे हैं यश पंडित।

हम सभी को अपनी हेल्थ का बहुत ख्याल रखना चाहिए। कहते भी हैं-हेल्थ इज वेल्थ। मैं अपने फैंस से यही कहूंगा कि हेल्थ-फिटनेस को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए।

मेरा फिटनेस सीक्रेट

न्यूट्रिशस डाइट, तेज गति से वॉक, खूब पानी पीना और अच्छी नींद लेना। ये चार मेरे फिटनेस सीक्रेट्स हैं। इन चारों को मैं अपनी दिनचर्या में शामिल करता हूं। आप भी इन्हें शामिल करें फिर देखें आपकी हेल्थ कितनी बढ़िया हो जाएगी।

हल्की एक्सरसाइज

कोरोना के बाद चूंकि अधिकांश लोगों की इम्यूनिटी पर नेगेटिव असर पड़ा है इसलिए अब वह स्थिति नहीं रही, जब आप तीन-चार घंटे लगातार जिम में जाकर बहुत टफ वर्कआउट करें। आज के समय में हल्का वर्कआउट ही बेहतर है। अब आप शरीर को जरूरत से ज्यादा थकाते हैं तो वह झेल नहीं पाता है। ऐसी खबरें हम अकसर पढ़ते हैं या अपने आस-पास देखते हैं कि कोई जिम में एक्सरसाइज करते हुए गिर गया तो कोई डांस करते हुए। इसलिए शारीरिक क्षमता के अनुसार हल्की एक्सरसाइज ही करना सही है।

डाइट का रखें ख्याल

हल्की एक्सरसाइज के साथ-साथ अपनी डाइट का पूरा ख्याल हमें रखना चाहिए। न्यूट्रिशस डाइट लें। मैं भी रेग्युलर डाइट में प्रोटीन के अलावा सब्जियों, दालों, फलों को जरूर शामिल करता हूं। ध्यान रहे आपको डेली हैवी ब्रेकफास्ट, न्यूट्रिशस लंच और डिनर लेना है। डाइट का बैलेंस होना जरूरी है।

डिनर लेने में ना करें देरी

आजकल बहुत सारे लोग लेट नाइट डिनर करते हैं, जो सही नहीं है। हालांकि हेल्थ कॉन्शस लोग शाम सात बजे तक अपना डिनर ले लेते हैं। यह बहुत अच्छी आदत है। इससे खाने को पचने के लिए पर्याप्त समय मिल जाता है और सुबह आप बहुत अच्छा फील करते हैं। जहां तक संभव होता है मैं भी डिनर जल्द ही कर लेता हूं। हालांकि जब शूटिंग चल रही होती है तब हम लोगों के लिए समय से लंच, डिनर करना और बैलेंस डाइट ले पाना बहुत मुश्किल हो जाता है। लेकिन जितना बेस्ट मैं कर सकता हूं, उस स्थिति में करने की कोशिश करता हूं। एक अच्छी बैलेंस डाइट लेने की पूरी कोशिश करता हूं।

हमेशा खुश रहता हूं

मैं हमेशा खुश रहता हूं। मेरा मानना है कि फिट रहने के लिए जिंदगी में यह भी बहुत जरूरी है कि आप हर स्थिति में खुश रहें, मस्त रहें और अपने काम में व्यस्त रहें।

अच्छी नींद जरूरी

फिट रहने के लिए खूब काम करना और उसके बाद रात को अच्छी गहरी नींद लेना बहुत जरूरी है। अच्छी नींद, अच्छी हेल्थ के लिए बहुत जरूरी होती है। इसलिए कितने ही व्यस्त रहें लेकिन नींद से समझौता न करें।

पानी खूब पीता हूं

मैं खूब पानी पीता हूं। आपसे भी कहूंगा दिन भर में जितना हो सके पानी पीजिए। नारियल पानी, नीबू पानी, लस्सी, छाछ, दूध, फ्रूट जूस को भी शामिल करें। यानी, खूब लिक्विड अपनी बॉडी को दें।

वॉकिंग है जरूरी

रोज कुछ समय वॉक पर जाएं। कोशिश करें कि जितना पैदल चल सकें चलें। सुबह की सैर या ईवनिंग वॉक जो कर सकते हैं करें। पैदल चलना बहुत अच्छा व्यायाम है, इसे अपनी रुटीन में शामिल करें। अगर हर इंसान 24 घंटे में से आधा घंटा भी तेज पैदल चले तो वह फिट रह सकता है। * **प्रस्तुति:रेणु खंतवाल**

किसी रोग से ग्रस्त होने के बावजूद, अगर आप अच्छा-पॉजिटिव सोचेंगे तो न केवल अच्छा महसूस करेंगे, बल्कि इससे आपके स्वास्थ्य में भी तेजी से सुधार होगा। इसके विपरीत नेगेटिव विचारों, चिंता या भय से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। ऐसा क्यों होता है और इससे कैसे अपना बचाव करें, आपको जरूर जानना चाहिए।

पॉजिटिव सोचें-हेल्दी रहें

हेल्थ एडवाइस/ विनीता

आपने इस बात पर गौर किया होगा कि जब भी घर में कोई बीमार होता है, तो परिवार के बुजुर्ग सदस्य यही कहते हैं, कोई बात नहीं चिंता न करो, दवा समय पर लेते रहो, आराम करो, जल्द ही ठीक हो जाओगे। ऐसी बातें केवल बीमार को झूठा दिलासा देने या उसका मन बहलाने के लिए नहीं कही जातीं, बल्कि इसके पीछे यह मनोवैज्ञानिक तथ्य छिपा होता है कि अच्छा और पॉजिटिव सोचने पर सब कुछ अच्छा ही होता है। दरअसल, ब्रेन ही हमारी सभी शारीरिक-मानसिक क्रियाओं को नियंत्रित करता है, इसलिए जब हम अच्छा सोचते हैं तो हमें अच्छा महसूस भी होता है। फिर हमारी सारी गतिविधियां भी पॉजिटिव दिशा की ओर अपने आप बढ़ने लगती हैं।

शोध से हो चुका प्रमाणित

वर्षों पहले वैज्ञानिक अध्ययन से भी इस तथ्य की पुष्टि हो चुकी है कि पॉजिटिव सोचने वाले अधिक हेल्दी रहते हैं। अमेरिकी वैज्ञानिक वाल्टर पी. कैनेडी ने 1961 में सबसे पहले नोसेबो इफेक्ट शब्द का प्रयोग किया था। इस टर्म की उत्पत्ति लैटिन शब्द 'नोसेरे' से हुई थी, जिसका अर्थ होता है-नुकसान पहुंचाना। उपचार के दौरान बीमार व्यक्ति के मनोदशा पर उसके सकारात्मक विचारों का क्या असर होता है, यह जानने के लिए वैज्ञानिकों ने जब उन पर अध्ययन किया तो उन्हें पता चला कि अच्छे परिणाम के बारे में सोचकर दवाओं का सेवन करने वाले लोगों की हेल्थ में तेजी से सुधार होता है। इस प्रभाव का नाम प्लेसिबो इफेक्ट दिया गया, जिसका अर्थ होता है, मैं शीघ्र स्वस्थ हो जाऊंगा। इसी अध्ययन के अपोजिट इफेक्ट को समझने के दौरान नोसेबो इफेक्ट का प्रभाव सामने आया। इन दोनों ही तरह के अध्ययनों में कई रोचक परिणाम सामने आए। जैसे मामूली सिरदर्द होने पर वैज्ञानिकों ने लोगों को दर्द निवारक रहित टॉफी जैसी कोई सादी गोली दी, जिसे लेने के बाद लोगों ने कहा कि उन्हें आराम महसूस हो रहा है, जबकि वास्तव में उन्हें कोई दवा दी ही नहीं गई थी। इसी तरह कोविड काल के दौरान प्रयोग के तौर पर कुछ लोगों को यह बताकर विटामिन के कुछ ऐसे हल्के इंजेक्शन दिए गए कि उन्हें कोविड से बचाव का वैक्सीन लगाया जा रहा है। चूंकि लोगों को पहले से इसके साइड इफेक्ट के बारे में मालूम था, इसलिए उन्हें सिरदर्द, नॉजिया और बुखार का भ्रम होने लगा। जबकि वास्तव में उन्हें कोई वैक्सीन नहीं लगाया गया था। टीके के असर के बारे में नकारात्मक बातें सोचने के कारण लोगों को ऐसी तकलीफ महसूस हो रही थी।

नेगेटिव सोच का इफेक्ट

जो लोग अपनी हेल्थ के प्रति जरूरत से ज्यादा सचेत होते हैं, उनमें भी नोसेबो इफेक्ट के लक्षण नजर आते हैं। अब तक किए गए अध्ययनों से यह तथ्य सामने आया है कि जब कोई व्यक्ति लगातार यही सोचे कि मुझे दर्द हो रहा है, मुझे अमुक बीमारी है तो कुछ समय के बाद वाकई उसे दर्द होने लगता है। हालांकि वास्तव में वह शारीरिक रूप से पूरी तरह स्वस्थ होता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक कारणों से उसके शरीर में बीमारियों जैसे लक्षण भी प्रकट होने लगते हैं।

इंटरनेट नॉलेज भी है वजह

आजकल किसी भी स्वास्थ्य समस्या का नाम सुनते ही लोग सबसे पहले इंटरनेट पर उसके बारे में सर्च करना शुरू कर देते हैं। उसके लक्षणों से अपना मिलान करने लगते हैं। सच्चाई यह है कि इंटरनेट पर मौजूद हर जानकारी पूरी तरह सही नहीं होती है। कई बार किसी स्वास्थ्य समस्या का विवरण कुछ इस तरह दिया जाता है कि उस जानकारी से लोग भयभीत हो जाते हैं और बीमार न होने पर भी खुद को गंभीर रोग का मरीज समझने लगते हैं।

गैजेट्स के ओवरयूज से बचें

खुद को बीमार मानने की सोच से उबरने के लिए 24 घंटे स्मार्ट वॉच जैसे गैजेट्स से दूर रहना भी जरूरी है। अनेक हेल्थ एप्स का इस्तेमाल करने वाले लोग हमेशा इसी चिंता से त्रस्त रहते हैं कि आज दस हजार कदम चलने का मेरा टारगेट पूरा नहीं हुआ, कल रात मैं आठ घंटे की नींद नहीं ले पाया, मेरा ब्लड प्रेशर बढ़ रहा है, नाड़ी तेज गति से चल रही है। इस तरह से कई बार गैजेट्स और हेल्थ एप्स भी लोगों को हेल्थ एंग्जायटी का मरीज बना देते हैं, इनकी वजह से स्वस्थ व्यक्ति भी स्वयं को थका हुआ और बीमार महसूस करने लगता है। बीमार होने की सोच वाली समस्या से बचाव के लिए गैजेट्स का सीमित इस्तेमाल करें और इंटरनेट पर मौजूद हर जानकारी पर भरोसा ना करें। अपनी हेल्थ के बारे में हमेशा अच्छा और पॉजिटिव सोचें तो हेल्दी, एक्टिव और एनर्जेटिक रहेंगे।

ऐसे करें बचाव

बीमार होने की नेगेटिव सोच से बचने के लिए थॉट रिप्लेसमेंट का तरीका अपनाएं। जब भी आपके मन में सेहत के प्रति कोई नकारात्मक विचार आए तो सचेत तरीके से उसी वक्त उन बातों से अपना ध्यान हटाकर अच्छी बातें सोचना शुरू कर दें कि मैं शीघ्र स्वस्थ हो जाऊंगा। मैं लगातार ठीक हो रहा हूं। तार्किक ढंग से सोचें और अपने जीवन की वास्तविकता को पहचानें। जब हेल्थ को लेकर मन में कोई डर या चिंता महसूस हो तो इस बात पर विचार करें कि हर बीमारी उपचार संभव है तो फिर परेशान नहीं होना चाहिए। इसके अलावा नकारात्मक बातों से ध्यान हटाने के लिए मनपसंद संगीत सुनें, प्रेरक किताबें पढ़ें या अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें। ध्यान और योग को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें। *

(मनोवैज्ञानिक सलाहकार विचित्रा दर्गन आनंद से बातचीत पर आधारित)

आहार/ राजकुमार 'दिनकर'

गर्मी में पाचन सही रखे छाछ

सदियों से हमारे देश के ग्रामीण इलाकों के खान-पान का सबसे अहम हिस्सा दूध, दही और छाछ रहे हैं। लेकिन हाल के वर्षों में मई-जून के महीने में, जिस तरह की आग बरसाती गरमी पड़ने लगी है, उससे दही और छाछ की खपत शहरों में भी काफी बढ़ जाती है। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि छाछ इन तपते दिनों में दिल से लेकर दिमाग तक को तृप्त कर देता है।

बढ़ी है डिमांड-सप्लाई: इस वर्ष भी अप्रैल के बाद से ही पूरे देश में बहुत तेजी से छाछ या मट्ठा की मांग बढ़ गई है। इसका कारण है तेज गरमी। छाछ के स्वाद और स्वास्थ्य को इससे होने वाले लाभ के कारण आज अनेक दुग्ध-उत्पादक कंपनियां पैकेटबंद अलग-अलग स्वाद की छाछ बाजार में बेच रही हैं। इन्हें खरीदकर पीने वाले ग्राहकों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। दरअसल, दही से बनने वाली छाछ में कई स्वास्थ्यवर्धक गुण मौजूद होते हैं।

कई तरह से लाभकारी: छाछ में मौजूद जीवाणु, आंतों में क्रियाशील हानिकारक कीटाणुओं को समाप्त कर देता है। यह हमारी रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। गर्मी के दिनों में तो यह एक औषधि जैसा काम करता है। आयुर्वेद में बताया गया है कि गर्मी के दौरान दोपहर के भोजन के अंत में छाछ पीना, स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक होता है।

पाचन करे सही: दूध और दही दोनों की अपेक्षा छाछ हल्का और सुपाच्य होता है। गर्मी के मौसम में अगर इसे रोज पिया जाए तो यह शरीर में आलस्य पैदा नहीं करता और इससे पेट में भारीपन भी महसूस नहीं होता है। कमजोर पाचनशक्ति वालों के लिए यह विशेष रूप से उपयोगी होता है। यह भोजन को जल्दी पचाने में भी सहायक होता है। इससे कब्ज और दस्त दोनो ही समस्याएं सही हो जाती हैं।

कई रोगों से बचाए: हृदय रोगियों के लिए छाछ विशेषतौर पर लाभदायक होता है, क्योंकि इसमें दूध की तुलना में चिकनाई कम होती है। इसके अलावा ब्लड प्रेशर, दमा, गठिया आदि बीमारियां मट्ठे के सेवन से पास नहीं फटकती हैं।

रखें ध्यान: छाछ का सेवन जहां तक हो सके, सुबह नाश्ते के समय और दोपहर के भोजन में ही करना चाहिए। छाछ हमेशा ताजा ही पीना चाहिए। इसे मिट्टी या कांच के बर्तन में पीना अधिक फायदेमंद होता है।

- बुखार आने पर, सर्दी के मौसम में या जुकाम होने की वजह से अगर कफ बन रहा हो तो इसका सेवन नहीं करना चाहिए।
- बारिश के मौसम में भी इसे नहीं पीना चाहिए या बहुत कम मात्रा में पीना चाहिए।
- बहुत ज्यादा खट्टा छाछ पीना भी शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। *

हर्बल जोन

रेखा देशराज

भृंगराज का पौधा, इंसान को ज्ञात सबसे पुरानी और उपयोगी जड़ी-बूटियों में से एक है। आयुर्वेद में इसके अनेक उपयोग दर्ज हैं। सबसे ज्यादा तो यह जड़-बूटी ठंडे भृंगराज तेल के लिए जानी जाती है,जो सिरदर्द भगाने में रामबाण की तरह होता है। भृंगराज उन गिनी-चुनी हर्बल में से भी एक है, जिसका हर हिस्सा औषधीय दृष्टि से उपयोगी होता है। इसके इस्तेमाल से लिवर और आंतों के स्वास्थ्य में जबरदस्त सुधार होता है।

कई नामों से लोकप्रिय: भृंगराज को वनस्पतिशास्त्र में एक्लिप्टा अल्बा कहते हैं। इसके अन्य नामों में भांगड़ा, थिसल्स, माका, अंगारक, बंगरा, केसुती, बाबरी आदि हैं। इसे अलग अलग क्षेत्रों की बोली भाषाओं में अलग-अलग नाम से पुकारा जाता है। इसमें तीखी गंध होती है और ये उस जगह बारिश के दिनों में अपने आप उग आता है, जहां नमी होती है।

गर्मी में विशेष लाभकारी: भृंगराज की तासीर ठंडी होती है, इसलिए अगर गर्मी के मौसम में पेट संबंधी कोई भी समस्या मसलन अपच, गैस बनना और कब्ज से पीड़ित हों तो बहुत आसानी से इसके इस्तेमाल से इन समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। आयुर्वेद के मुताबिक अगर गर्मियों में भृंगराज का तीन महीने तक शर्बत पीया जाए, तो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है।

बालों के लिए वरदान: भृंगराज पौधे की पत्तियों में विशेष गुण होते हैं। जिन लोगों के सिर के बाल झड़ रहे हों, वो लोग अगर भृंगराज के पौधे की हरी पत्तियों को पीसकर अपने सिर में लगा लें तो बाल झड़ने तुरंत बंद हो जाते हैं। झड़ते बालों को रोकने ही नहीं बल्कि उन्हें काला करने के बारे में भी इसको ख्याति हासिल है।

भृंगराज एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसका कई तरह की शारीरिक समस्याओं में उपयोग किया जा सकता है। शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने और बालों को हेल्दी रखने के साथ ही गर्मी में यह विशेष रूप से उपयोगी होता है। इसके गुणों के बारे में जानिए।

कई समस्याओं में कारगर भृंगराज

होते हैं कई गुण: भृंगराज में अनेक प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जैसे- फ्लेवोनॉयड और एल्कलॉइड। ये एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले हानिकारक पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने का काम करते हैं और विभिन्न प्रकार के हानिकारक चीजों से लिवर की रक्षा करते हैं। लिवर की रक्षा के लिए भृंगराज बहुत उपयोगी माना जाता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण भी होते हैं, जो लिवर को हैपेटाइटिस सी जैसे वायरल संक्रमण से बचाता है। भृंगराज शरीर में होने वाली सूजन को असरदार ढंग से रोकता है और इसके अंदर जो पोषक तत्व होते हैं, उन्हीं से बालों की गुणवत्ता और उनकी लंबाई में इजाफा होता है। त्वचा के कटने, छीलने या घाव आदि हो जाने पर भी यह असरदार तरीके से काम करता है। यह कफ और वात विकार को भी कम करता है। लिवर के साथ किडनी के स्वास्थ्य के लिए भी यह बेहद उपयोगी है। फैटी लिवर और पीलिया जैसी समस्याओं में यह बेहद असरकारी होता है। त्वचा के संक्रमण से भी यह बचाता है।

एक्सपर्ट की राय से करें यूज: इसकी पत्तियों का पेस्ट बनाकर और उसमें तेल मिलाकर इस्तेमाल कर सकते हैं। या फिर बाजार से मिलने वाले भृंगराज हर्बल के विभिन्न प्रोडक्ट्स जैसे कैप्सूल आदि का सेवन किया जा सकता है। भृंगराज का उपयोग हमेशा किसी आयुर्वेद एक्सपर्ट की सलाह और देख-रेख में ही करना चाहिए, वरना नुकसान भी हो सकता है। *

डिजीज

डॉ. माजिद अलीम

ब्रेन ट्यूमर की समस्या किसी भी उम्र में और किसी को भी हो सकती है। ऐसे में इससे बचाव का एक ही तरीका है कि समय रहते इसे डायग्नोज कर ट्रीटमेंट शुरू कर दिया जाए। इसके लिए लोगों में अवेयरनेस होना जरूरी है।

ब्रेन ट्यूमर सजगता ही सबसे बड़ी सुरक्षा है

विशेषज्ञों के मुताबिक ब्रेन ट्यूमर के चार स्टेज होते हैं और अगर तीसरे स्टेज के शुरुआत में भी इसका पता चल जाए तो बीमार व्यक्ति को बचाया जा सकता है। इस बात से यह महत्वपूर्ण तथ्य निकलता है कि अगर हम समय रहते ब्रेन ट्यूमर की पहचान कर लें, तो इस घातक बीमारी से हर हाल में बचा जा सकता है।

किसी को भी हो सकता है: हर साल दुनिया में ब्रेन ट्यूमर के 300000 से ज्यादा मामले सामने आते हैं। यह समझना भी जरूरी है कि कोई भी इसकी गिरफ्त में आ सकता है। एक जमाने में माना जाता था कि 20 साल की उम्र तक के लोगों को ब्रेन ट्यूमर की समस्या नहीं होती, लेकिन बदले खान-पान, प्रदूषण में हुए भारी इजाफे और अन्य कारणों के चलते आज 21 से 85 साल की उम्र समूह के किसी भी शख्स को इसकी समस्या हो सकती है। 40 साल से ज्यादा की उम्र वालों में इसकी आशंका इससे कम उम्र के लोगों के मुकाबले 20-21 फीसदी बढ़ जाती है।

क्या है ब्रेन ट्यूमर: वास्तव में जब मस्तिष्क में या इसके आस-पास की कोशिकाओं के डीएनए में खामी आ जाती है या वो बदल जाते हैं तो ये ब्रेन कैंसर के खतरे को जन्म देते हैं। दरअसल, डीएनए परिवर्तन के चलते जब ट्यूमर कुछ खास रसायनों के संपर्क में आता है तो इनका प्रभाव बहुत घातक हो जाता है। सवाल है, आखिर किसी को ब्रेन ट्यूमर किन वजहों से होता है और किन वजहों से इसमें लगातार तेजी आती जा रही है? सच्चाई यही है कि ब्रेन ट्यूमर की एक बड़ी वजह धरती में नियमित रूप से प्रदूषण का बढ़ना है। दरअसल निकिल, कैडमियम, विनाइल क्लोराइड, रेडान, बेंजीन ऐसे रसायन हैं कि अगर इन रसायनों के लगातार संपर्क में रहा जाए तो ब्रेन ट्यूमर की आशंका बढ़ जाती है। धूम्रपान भी इसकी दूसरी एक बड़ी वजह है। सिर में चोट लगने पर अगर सही से उसका इलाज न करवाया जाए तो एक स्थिति के बाद यह चोट भी मस्तिष्क ट्यूमर की वजह भी बन सकती है। लगातार तनाव में रहना, नींद न आना, बार बार चोट लगना इससे भी ब्रेन ट्यूमर की आशंका बढ़ जाती है।

पहचानें शुरुआती लक्षण: ब्रेन ट्यूमर को समय रहते पकड़ना मुश्किल नहीं है बशर्ते हम सजग हों। जब सुबह के समय सिर में तेज दर्द हो और इसी दर्द की वजह से कई बार रात को जागना भी पड़े तो यह सामान्य सिरदर्द नहीं। ऐसे में तुरंत न्यूरोलॉजिस्ट को दिखाना चाहिए कि कहीं यह ब्रेन ट्यूमर की निशानी तो नहीं। रात में और सुबह तेज सिरदर्द के अलावा ब्रेन ट्यूमर के जो अन्य महत्वपूर्ण लक्षण हैं उनमें-बोलने और सोचने में कठिनाई का महसूस होना, आंखों में धुंधला दिखना, अचानक सुनने की क्षमता में कमी हो जाना, चेहरे का सुन्न हो जाना, थूक को निगलने में कठिनाई होना, किसी चीज में मन न लगना, विभिन्न तरह की गंधों का पता न लगना यानी उनका एहसास न होना। ये सब ब्रेन ट्यूमर के लक्षण हो सकते हैं।

संभव है ट्रीटमेंट: ब्रेन ट्यूमर लाइलाइज नहीं है। लेकिन अगर समय रहते इस बीमारी को पकड़ने में आप चूक गए तो यह लाइलाज हो सकता है। इसलिए सबसे जरूरी यही है कि आप इसे लेकर सजग रहें। अगर आप के माता-पिता ब्रेन ट्यूमर के सर्वाइवर रहे हैं तो आपको और भी ज्यादा सावधान रहना चाहिए क्योंकि आपके इसकी चपेट में आने की आशंका और ज्यादा है। *

रॉयल पत्रिका

पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा कल से होगी शुरू, मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे फ्लैग ऑफ

- कम कीमत में प्रदेश में आवागमन की त्वरित हवाई सेवा
- एयर टैक्सी के लिए बुकिंग काउंटर तैयार, रूट एवं दरें भी निर्धारित
- 'फ्लाईओला' वेबसाइट www.flyola.in हुई लॉन्च, बुकिंग शुरू

रॉयल पत्रिका

मप्र के रमणीय पर्यटन स्थलों को हवाई सेवा से जोड़ने के लिए मप्र टूरिज्म बोर्ड की ओर से ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। प्रदेश के 8 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, ग्वालियर, सिंगरौली एवं खजुराहो को 6 सीटर वाले दो एयरक्राफ्ट्स के माध्यम से जोड़ने के लिए पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा का संचालन गुरुवार से शुरू होने जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 जून को भोपाल एयरपोर्ट पर पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा के विमान को फ्लैग ऑफ कर रवाना करेंगे।

पहली फ्लाइट भोपाल-जबलपुर-रीवा-सिंगरौली की

पहली फ्लाइट भोपाल-जबलपुर-रीवा-सिंगरौली की होगी। 14 मार्च को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल के स्टैट हैंगर से पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा का शुभारंभ किया था। टिकट बुकिंग के लिए ऑनलाइन सुविधा के लिए फ्लाईओला वेबसाइट डेवलप की गई है, जिसको मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से मंत्रालय में लॉन्च किया गया। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पर्यटन विभाग की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में प्रदेश के पर्यटन स्थलों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर एवं सुगम बनाने और पर्यटन सुविधाओं में विस्तार करने के लिए लगातार नवाचार किए जा रहे हैं।

पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र के लिए मील का पत्थर साबित होगी। यह पर्यटन क्षेत्र के साथ-साथ उद्योग, व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं संस्कृति और कला के प्रचार-प्रसार के लिए भी लाभदायक है। बुकिंग सुविधा की जानकारी देते हुए प्रमुख सचिव शुक्ला ने बताया कि वायु सेवा की बुकिंग के लिए इंदौर, भोपाल एवं जबलपुर के एयरपोर्ट पर बुकिंग काउंटर स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश के 8 शहरों को हवाई सेवा के माध्यम से जोड़ा जा रहा है, जिसका विस्तार आने वाले समय मे कुछ और शहरों तक किया जाएगा।

15 जून को ग्वालियर से भरेगी पहली उड़ान

पर्यटन वायु सेवा को प्रदेश के प्रमुख शहरों को जोड़ा जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की गरिमामयी उपस्थिति में 15 जून को ग्वालियर और फिर 16 जून को उज्जैन से हवाई यात्रा की शुरुआत होगी। इच्छुक पर्यटक **www.flyola.in** पर ऑफर, शेड्यूल और किराया संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते है।

बिहार में भीषण गर्मी पर सीएम नीतीश ने जताई चिंता

आपदा जैसे हालात, अब तक 70 से अधिक लोगों की मौत

रॉयल पत्रिका

बिहार में भीषण गर्मी पड़ रही है। इसके चलते राज्य में अब तक 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। सीएम नीतीश कुमार ने राज्य में गर्मी और हीट वेव की आपदाजनक स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग एवं सभी जिलाधिकारियों को समुचित कार्रवाई का निर्देश दिया है। उन्होंने पूरे प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और अस्पतालों को अलर्ट रखने को कहा है। साथ ही अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया है।

सीएम नीतीश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भीषण गर्मी और हीटवेव की आपदाजनक स्थिति को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग एवं राज्य के सभी जिलाधिकारियों को समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखने को कहा है। साथ ही भूजल स्तर पर भी नजर रखने को कहा है। भीषण गर्मी एवं लू से बचने के लिए लोगों को उचित सावधानी बरतने की सलाह देते हुए माइकिंग की भी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था रखें

सीएम नीतीश ने कहा है कि सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अनुमंडल एवं सदर अस्पतालों में जरूरी स्वास्थ्य सुविधाओं तथा जरूरी दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। गांव हो या शहर सभी जगहों पर निर्बाध रूप से बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करें ताकि लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिल सके। आपदा प्रबंधन विभाग को निर्देश दिया है कि लोगों को लगातार जागरूक करते रहें और संपूर्ण स्थिति पर निगरानी रखें। नीतीश ने कहा है कि सभी जिलों के संवेदनशील स्थानों पर पीने के पानी के टैंकर पर्याप्त संख्या में रखे जाएं। भूजल स्तर पर भी नजर रखें और अपने-अपने जिलों की स्थिति का आकलन करें।

जगन्नाथ पुरी मंदिर के चारों द्वार खोले गए

कोरोना के समय 3 गेट बंद किए गए थे; ओडिशा CM ने मंत्रिमंडल के साथ परिक्रमा की

ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार गुरुवार (13 जून) को मंगला आरती के दौरान श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इस दौरान राज्य के नए CM मोहन चरण माझी के साथ उनका मंत्रिमंडल, पुरी के सांसद संबित पात्रा और बालासोर के सांसद प्रताप चंद्र सारंगी मौजूद रहे। सभी ने द्वार खुलने के बाद मंदिर की परिक्रमा की।

CM माझी ने न्यूज एजेंसी ANI को बताया कि हमने बुधवार (12 जून) को पहली कैबिनेट बैठक में जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खोलने का प्रस्ताव रखा था। प्रस्ताव पारित हो गया और आज सुबह 6:30 बजे सभी द्वार खोले गए। मंदिर के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए के कॉर्पस फंड की भी घोषणा की गई है।

कोरोना काल में पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की सरकार ने मंदिर के अश्व द्वार (उत्तर द्वार), व्याघ्र द्वार (पश्चिम द्वार) और हस्ति द्वार (दक्षिण द्वार) बंद करने के आदेश दिए थे। सिर्फ सिंह द्वार ही खुला था, जिससे श्रद्धालु मंदिर में आते-जाते थे। इस कारण मंदिर में भारी भीड़ और लंबी कतारें लगी रहती थीं। श्रद्धालु लंबे वक्त से सभी द्वार खोलने की मांग कर रहे थे।

मंदिर के द्वार खुलवाना भाजपा के मैनिफेस्टो में था

जगन्नाथ मंदिर के चारों द्वार खुलवाना भाजपा के चुनावी वादों में से एक था। चुनाव जीतने के बाद बुधवार (12 जून) को मोहन चरण मांझी ने राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। माझी के साथ, दो उपमुख्यमंत्रियों- कनक वर्धन सिंह देव और प्रभाती परिदा ने भी शपथ ली।

इसके बाद CM ने पहली कैबिनेट मीटिंग की और जगन्नाथ मंदिर के सभी द्वार खोलने के आदेश दिए। कैबिनेट मीटिंग में जगन्नाथ मंदिर के रखरखाव के लिए 500 करोड़ रुपए का फंड तैयार करने का भी फैसला हुआ है।

किसानों और महिलाओं के लिए योजना लागू करेगी सरकार

मुख्यमंत्री मांझी ने कैबिनेट मीटिंग के बाद कहा कि राज्य सरकार धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 3100 प्रति क्विंटल करने के लिए भी कदम उठाएगी। संबंधित विभाग को इस बारे में काम करने का निर्देश दिया गया है। जल्द ही इसे लेकर एक कमेटी बनाई जाएगी।

एनसीपीआर का बड़ा खुलासा

पढ़ाई की आड़ में बिहार के बच्चों की हो रही तस्करी, देशभर में अलर्ट

रॉयल पत्रिका

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीआर) ने धार्मिक शिक्षा के नाम पर बिहार से कम उम्र के बच्चों की उत्तर प्रदेश में तस्करी का अंदेशा जताया है। अयोध्या में 26 अप्रैल को बरामद किए गए पूर्णिया और अररिया के 95 बच्चों के मामले का हवाला देते हुए आयोग ने सभी राज्यो को ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। बरामद बच्चों को सहारनपुर के एक गैर निबंधित मदरसे ले जाया जा रहा था। आयोग ने इस संबंध में देश भर में अलर्ट जारी करते हुए धार्मिक शिक्षण संस्थानों की निगरानी के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) भी दी है।

ईंट ढुलवाई, शौचालय साफ करवाया

बाल कल्याण समिति, अयोध्या के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने बताया कि 26 अप्रैल को अयोध्या में बच्चों को बरामद किया गया। बस में दो मौलवी थे, जो इन्हें सहारनपुर के मदरसे में पढ़ाई के लिए ले जाने की बात कर रहे थे। मौलवियों के पास न तो मदरसे का कोई अधिकार पत्र था और न ही बच्चों के अभिभावकों का सहमति पत्र। बच्चों ने टीम को बताया कि मदरसे में उनसे ईंट ढुलवाई जाती है और शौचालय साफ कराया जाता है। भोजन के नाम पर एक-दो रोटी दी जाती है।

पढ़ाने के लिए पैसे नहीं

महलगांव अररिया के एक बच्चे के पिता मो. तनवीर ने बताया कि गांव में आए मौलवी ने कहा था कि बच्चों को धार्मिक तालीम दिलाओ। वह कई बच्चों को ले गए। पूर्णिया के रांटा गांव निवासी मो. इशाक ने बताया कि बच्चे को पढ़ाने के लिए उसके पास पैसे नहीं थे। सिर्फ खाना का खर्चा देने की बात कह मौलवी उनके बच्चे को ले गए। बाद में पता चला कि वहां बच्चों से जबरन काम कराया जाता है। बाल संरक्षण इकाई अररिया के सहायक निदेशक शंभू रजक ने बताया कि इस मामले पर अयोध्या से बरामद बच्चों के मामले में आयोग से सोशल इन्वेस्टिगेशन रिपोर्ट (एसआईआर) देने का निर्देश मिला था। रिपोर्ट अब अंतिम चरण में हैं। इन बच्चों के आगे की पढ़ाई आदि सुविधाओं की व्यवस्था इस रिपोर्ट के आधार पर की जाएगी।

जयपुर में ट्रक के नीचे 4 घंटे दबी रही कार

जयपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में एक परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 5 साल की मासूम भी है। एक्सीडेंट के दौरान कार ट्रक के नीचे दब गई। पूरा परिवार करीब 4 घंटे तक कार में ही फंसा रहा है।

बताया जा रहा है कि पुलिस अगर रेस्क्यू में देर नहीं करती तो सभी की जान बच सकती थी। हादसा बुधवार देर रात करीब 12.30 बजे रायसर थाना इलाके में हुआ।

सीआई महेन्द्र सिंह ने बताया कि परिवार हाथरस (यूपी) का रहने वाला है। मृतकों में अंकित (34),अंकित का साला रवि (32), अंकित की बेटी देवती (5) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अंकित की पत्नी रिंकी (28) गम्भीर रूप से घायल है। जिसका निम्स हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

खाटूश्याम से घर जाने के लिए निकले थे

मृतक अंकित अपने परिवार के साथ बुधवार शाम 6 बजे खाटूश्याम जी से दर्शन कर घर लौट रहा था। रात करीब साढे 12 बजे वह रायसल थाना इलाके के बाकी माता कट पर सामने आ रहे ट्रक से कार की भी भिड़ंत हो गई। इसी दौरान कार ट्रक के नीच घुस गई। ट्रक चालक कार को घसीटता हुआ खेत में ले गया

जहां पर एक गड्ढे में कार जाकर फंसी तो ट्रक रुका। एक्सीडेंट की सूचना पुलिस को स्थानीय लोगों ने दी। रायसल, चंदवाजी और मनोहरपुर थानों की पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन कार में फंसे घायलों को एक्सीडेंट के चार घंटे बाद कार से निकाला जा सका।

खबर संक्षेप

चीन में अमेरिका के 4 टीचर्स पर चाकू से हमला

जिलिन शहर। चीन के जिलिन शहर में अमेरिका के 4 कॉलेज टीचर्स पर चाकू से हमला हुआ। अटैक में महिला टीचर समेत सभी बुरी तरह से घायल हो गए, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। अमेरिकी राज्य आयोवा के कॉर्नेल कॉलेज से आए सभी टीचर्स एक पब्लिक पार्क में मौजूद थे, जब उन पर हमला किया गया। खून से लथपथ घायल टीचर्स जमीन पर लेटे नजर आ रहे हैं।

स्विटजरलैंड में होगी यूक्रेन पीस समिट

शामिल होंगे 90 देशों के प्रतिनिधि रूस के राष्ट्रपति ने किया इंकार

रॉयल पत्रिका

रूस और यूक्रेन के बीच जंग के 28 महीने पूरे होने वाले हैं। इस जंग को खत्म करने से जुड़े विकल्पों पर चर्चा करने के लिए स्विटजरलैंड में 15 और 16 जून को यूक्रेन पीस समिट का आयोजन होगा। इसके लिए 90 देशों और अनेक संगठनों के नेता और अधिकारी एक मंच पर इकठ्ठा होंगे। जानकारी के अनुसार रूस ने इस सम्मेलन में शामिल होने से इनकार कर दिया है।

इन बड़े देशों के नेता होंगे शामिल

जानकारी के मुताबिक अब तक 160 से अधिक देशों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रण भेजा गया है। राष्ट्रपति एमहर्ड ने कहा कि उन्हें इसे लेकर कोई निराशा नहीं है कि इतने देशों को आमंत्रण भेजे जाने के बाद भी इसमें 100 से भी कम देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। फ्रांससी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज आदि शामिल हो सकते हैं।

फर्जी वोटर आईडी से लोकसभा चुनावों में डाला था वोट

एटीएस ने 4 बांग्लादेशियों को मुंबई से किया गिरफ्तार

रॉयल पत्रिका

मुंबई में रह रहे चार बांग्लादेशियों को एटीएस ने गिरफ्तार किया है। एटीएस की जांच में यह सामने आया है कि यह बांग्लादेशी गुजरात में रहकर फर्जी पासपोर्ट बनाया करते थे। महाराष्ट्र एटीएस ने चार बांग्लादेशियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। यह सभी लंबे समय से अवैध तरीके से जाली कागजात के जरिए मुंबई में ठहरे थे। इन चारों बांग्लादेशियों का एक साथी जाली भारतीय डॉक्यूमेंट्स के जरिए सऊदी अरब भाग गया। जांच में यह सामने आया है कि यह बांग्लादेशी गुजरात में रहकर फर्जी पासपोर्ट बनाया करते थे।

फर्जी दस्तावेजों की मदद से किया मतदान

इस मामले में एटीएस ने आईपीसी की धारा 465, 468, 471, 34 और इंडियन पासपोर्ट एक्ट की धारा 12 (1ए) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच में पता चला की आरोपियों ने लोकसभा चुनाव में फर्जी दस्तावेजों की मदद से फर्जी वोटिंग की है। ये नकली दस्तावेज बनाकर मुंबई में रह रहे थे। इस मामले में पांच अन्य बांग्लादेशियों की पहचान हुई है। सभी फरार हैं, जिनकी तलाश चल रही है। चौंकाने वाली बात ये है कि गुजरात के सूरत से नकली दस्तावेज भारतीय नागरिक के तौर पर बनवाने के बाद ये अवैध बांग्लादेशी मुंबई में रह रहे थे। बाकी के फरार पांच में से एक बांग्लादेशी का इंडिया के ही नकली दस्तावेज बनाकर सऊदी अरब जाने का खुलासा हुआ है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

रियाज हुसैन शेख, उम्र- 33, सुलतान सिद्दीक शेख, उम्र- 54, ताहिम शफीउल्लाह शेख, उम्र- 46, फारूक उस्मान गनी शेख, उम्र- 39।

कचरों के गुब्बारे गिराए जाने पर भड़का दक्षिण कोरिया

उत्तर कोरिया पर चलाई ताबड़तोड़ गोलियां, दोनों के बीच बढ़ा तनाव

रॉयल पत्रिका

दक्षिण कोरिया और उत्तर कोरिया के बीच तनातनी जगजाहिर है। उत्तर कोरिया की तरफ से लगातार इस तरह की हरकतें की जाती रही हैं जो दक्षिण कोरिया के लिए परेशानी का सबब बनती रही हैं। उत्तर कोरिया की तरफ से दक्षिण कोरिया में कचरों से भरे गुब्बारे गिराए गए थे जिसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया है। अब खबर आ रही है कि दक्षिण कोरियाई सैनिकों ने उत्तर कोरिया के जवानों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई हैं। जानकारी के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में उत्तर कोरिया के सैनिकों जमीनी सीमा पार की थी जिसके बाद दक्षिण कोरिया की ओर से फायरिंग की गई थी। उत्तर कोरिया के कुछ सैनिक दोनों देशों को अलग करने वाली सैन्य सीमा को पार कर उसके अधिकार क्षेत्र में घुस आए। इन उत्तर कोरियाई सैनिकों के पास निर्माण उपकरण थे जबकि कुछ सैनिकों के पास हथियार भी थे।

दिल्ली के संग्रहालयों व अस्पताल में बम रखे होने की सूचना फर्जी निकली

रॉयल पत्रिका

राष्ट्रीय संग्रहालय और रेल संग्रहालय समेत कई संग्रहालयों और दो मानसिक स्वास्थ्य संस्थानों - इहबास (मानव व्यवहार और संबद्ध विज्ञान संस्थान) और विमहन्स (विद्यासागर मानसिक स्वास्थ्य, तंत्रिका और संबद्ध विज्ञान संस्थान) को ईमेल भेजकर उनके परिसरों में बम रखे होने की सूचना दी गई। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि तलाशी लेने के बाद इन परिसरों से कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला और बम की सूचना को फर्जी करार दे दिया गया।

उन्होंने बताया कि ये ई-मेल कर्तव्य पथ पर स्थित राष्ट्रीय संग्रहालय, चाणक्यपुरी में स्थित रेल संग्रहालय, दरियागंज में स्थित गांधी संग्रहालय तथा कई अन्य को प्राप्त हुए हैं, जिनमें कहा गया है कि उनके परिसर में बम रखा गया है। अधिकारियों ने बताया कि दो चिकित्सा संस्थानों - शाहदरा स्थित इहबास और लाजपत नगर स्थित विमहन्स अस्पताल को भी ई-मेल मिले और इनमें भी कहा गया था कि उनके परिसरों में बम रखे गए हैं।

कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

एक अधिकारी ने बताया कि इन ई-मेल की सूचना मिलने के बाद बम का पता लगाने वाले दस्ते, बम निरोधक दस्ते, अग्निशमन अधिकारियों और स्थानीय पुलिस ने प्रतिष्ठानों की जांच की, लेकिन किसी भी स्थान से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। इहबास के निदेशक डॉ. राजिंदर धमीजा ने कहा कि तलाशी के दौरान कोई अफरातफरी नहीं मची क्योंकि पुलिस ने बिना किसी रुकावट के अपना कर्तव्य निभाया। डॉ. धमीजा ने बताया कि अस्पताल को सुबह नौ बजकर 39 मिनट एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसके बाद उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को बम की धमकी के बारे में सूचित किया। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा व्यापक तलाशी ली गई, जिसमें अग्निशमन विभाग, बम का पता लगाने वाला दस्ता, बम निरोधक और स्थानीय पुलिस की टीमें शामिल थीं, जिसके बाद सूचना को एक फर्जी माना गया।

परिसरों का किया निरीक्षण

पूरे अस्पताल परिसर का निरीक्षण करने के बाद पुलिस ने आश्वासन दिया कि चिंता का कोई कारण नहीं है। डॉ. धमीजा ने कहा कि इस पूरी अवधि के दौरान अस्पताल में कामकाज बिना रुके चलता रहा और किसी भी तरह की दहशत की स्थिति नहीं बनी और सब कुछ पूरी तरह नियंत्रण में रहा। पिछले एक महीने में राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों और अस्पतालों सहित कई प्रतिष्ठानों को उनके परिसरों में बम रखे होने की सूचना देने वाले ई-मेल प्राप्त हुए हैं। दिल्ली के चाचा नेहरू अस्पताल को 30 अप्रैल को बम रखे होने की सूचना मिली, जबकि एक मई को रूस स्थित एक 'मेलिंग सेवा कंपनी' की ओर से 150 से अधिक स्कूलों को बम रखे होने की जानकारी दी गई। बारह मई को साइप्रस स्थित एक मेलिंग सेवा कंपनी से ई-मेल के माध्यम से 20 अस्पतालों, आईजीआई हवाई अड्डे और दिल्ली स्थित उत्तर रेलवे के सीपीआरओ कार्यालय में बम रखे होने की सूचना दी गई। चौदहा मई को साइप्रस स्थित उसी मेलिंग सेवा कंपनी से दिल्ली के सात अस्पतालों और तिहाड़ जेल में बम होने की सूचना दी गई। बाईस मई को नॉर्थ ब्लॉक, जहां गृह मंत्रालय का कार्यालय स्थित है, को जीमेल.कॉम डोमेन से ईमेल भेजकर बम रखे होने की जानकारी दी गई। इसके बाद 23 मई को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम कॉलेज, हंसराज कॉलेज और रामजस कॉलेज सहित एक दर्जन से अधिक महाविद्यालयों को उनके परिसरों में बम रखे होने की सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस का विशेष प्रकोष्ठ ईमेल भेजकर बम रखे होने की फर्जी सूचना देने के मामले की जांच कर रहा है।

नोएडा : लूट की फर्जी घटना को अंजाम देने के आरोप में तीन धरे

आरोपियों से 38 लाख रुपये बरामद

रॉयल पत्रिका

उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने 38.50 लाख रुपये की कथित लूट के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) सुनिति ने बताया कि मंगलवार रात थाना फेज- दो पुलिस को सूचना मिली की सेक्टर 136 के निकट दो बदमाशों ने बाइक सवार अशोक और सुनील पांडे की मोटरसाइकिल को रोककर उनसे पैसों से भरा बैग लूट लिया। बैग में करीब 38.50 लाख रुपये थे। अधिकारी के मुताबिक, अशोक और सुनील जिस व्यापारी के पास काम करते हैं, उन्हीं के पैसों को लूटने की योजना बनाई थी। इस योजना में आरोपियों के एक साथी ने भी योगदान दिया था। उन्होंने बताया कि दोनों आरोपियों से अलग-अलग पूछताछ करने पर लूट की वारदान को अंजाम देने की योजना का खुलासा हुआ। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों के पास से लूटी हुई पूरी रकम और घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली गई है। उन्होंने बताया कि तीसरे आरोपी की पहचान सिकंदर के रूप में हुई, जिसे मंगलवार देर रात गिरफ्तार कर लिया गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,